मनेन्द्रगढ़
25 मई 2026 सोमवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर बोले-इंस्टाग्राम अकाउंट का कंट्रोल वापस मिला

फॉलोअर्स का डेटा शेयर कर पूछा- इनमें 94% भारतीय, रिजिजू इन्हें पाकिस्तानी क्यों बता रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके का कहना है कि उन्हें इंस्टाग्राम अकाउंट पर कंट्रोल वापस मिल गया है। अभिजीत ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करके यह जानकारी दी है।पोस्ट में दीपके ने लिखा- हम वापस आ गए हैं, तुम भूल गए थे कि हम जिंदा रहने के लिए क्या कर सकते हैं। इसके साथ उन्होंने कॉकरोच की एक इमेज भी लगाई है।

अभिजीत ने ङ्ग पर एक और पोस्ट शेयर किया, जिसमें उनके फॉलोअर्स का डेटा है। वे पूछते हैं- हमारे 94% से ज्यादा फॉलोअर्स भारतीय हैं, आखिर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू भारतीय युवाओं को 'पाकिस्तानी' क्यों बता रहे हैं।

दरअसल, किरेन रिजिजू ने ङ्ग पर एक पोस्ट में बिना किसी का नाम लिखे कहा था-

मुझे उन लोगों पर तरस आता है जो सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स पाकिस्तान और जॉर्ज सोरोस गिरोह से ढूंढते हैं।

भारत में पर्याप्त जनसंख्या, ऊर्जावान युवा हैं जो सच्चे फॉलोअर साबित हो सकते हैं।

रिपोर्ट- ईरान-अमेरिका 60 दिन के सीजफायर पर लगभग सहमत

इसके तहत होर्मुज फिर खोला जाएगा, ईरान अपना यूरेनियम प्रोग्राम छोड़ेगा

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बड़ा समझौता होने की खबर है। एक्सियोस न्यूज के मुताबिक, दोनों देश 60 दिन के युद्धविराम समझौते के बेहद करीब हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समझौते के तहत होर्मुज को फिर से खोला जाएगा, ताकि जहाजों की आवाजाही सामान्य हो सके। ईरान इस दौरान होर्मुज में लगाई गई बारूदी सुरंगों को हटाने पर सहमत हो सकता है।

इसके बदले अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी रोक में ढील देगा और कुछ प्रतिबंधों में राहत देकर ईरान को खुलकर तेल बेचने की इजाजत दे सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित समझौते में ईरान यह वादा भी करेगा कि वह कभी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करेगा। साथ ही यूरेनियम एनरिच्ड प्रोग्राम को सीमित करने और हाईली एनरिच्ड यूरेनियम के भंडार को हटाने पर बातचीत होगी।

संसद रत्न पुरस्कार के लिए चुने गए 12 सांसद

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे प्रतिष्ठित विधायी सम्मानों में से एक संसद रत्न पुरस्कार के लिए इस वर्ष के विजेताओं का चयन कर लिया गया है। एक निजी संस्था 'प्राइम पॉइंट फाउंडेशन' ने आधिकारिक बयान जारी कर इस साल पुरस्कार के लिए 12 सांसदों और 4 संसदीय समितियों को चुनने की घोषणा की है। यह चयन सांसदों की ओर से सदन में किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन, जनता के मुद्दों को उठाने और विधायी कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी के आधार पर किया गया है। चुने गए इन सभी विजेताओं को आने वाले दिनों में आयोजित होने वाले एक भव्य समारोह में इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

दिग्गज नेताओं और कर्मठ सांसदों का हुआ चयन :फाउंडेशन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, व्यक्तिगत श्रेणी में कई अनुभवी और ऊर्जावान राजनेताओं को इस पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। इसमें उत्तर प्रदेश से भाजपा सांसद जगदंबिका पाल, राजस्थान से पीपी चौधरी, झारखंड से निशिकांत दुबे और महाराष्ट्र से शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिंदे प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा, इस साल बजट सत्र की समाप्ति तक संसद के भीतर शानदार रिकॉर्ड दर्ज कराने वाले कई अन्य सांसदों को भी विभिन्न श्रेणियों में इस सम्मान के लिए चुना गया है।

इनमें उत्तर प्रदेश से प्रवीन पटेल, झारखंड से विद्युत वरण महतो, राजस्थान से लुंबाराम चौधरी और महाराष्ट्र से हेमंत विष्णु सावरा का नाम शामिल है। वहीं, महाराष्ट्र से स्मिता उदय वाघ, नरेश गणपत म्हस्के, मेधा विश्राम कुलकर्णी और गुजरात से नरहरि अमीन को भी उनके बेहतरीन विधायी कामकाज के आधार पर इस सूची में जगह मिली है।

दुनिया के 70 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के

● महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी लगातार दूसरे दिन सबसे गर्म, 47.1डिग्री ; राजस्थान-यूपी सहित 7 राज्यों में आंधी-बारिश

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/ लखनऊ, एजेंसी।दुनिया के 70 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के हैं। प्राइवेट एजेंसी, त्ख्ह्ल.द्बठ्ठ के मुताबिक 45डिग्री तामपान के साथ सबसे टॉप पर उत्तर प्रदेश का प्रयागराज है। टॉप 10 में यूपी के 6 शहर हैं, इनमें बांदा, मिर्जापुर, वाराणसी के नाम शामिल हैं। शनिवार को भी टॉप 50 शहरों में 37 भारत के थे। बांदा का तापमान 46.2डिग्री रहा था।

इस समय भारत का आधा से ज्यादा हिस्सा तेज धूप और हीटवेव से तप रहा है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र और ओडिशा के कई हिस्सों में तापमान अब भी 45डिग्री पार जा रहा है।

शनिवार को महाराष्ट्र के ब्रह्मपुरी का तापमान 47.1डिग्री था। जो लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म शहर था।इधर, तेलंगाना के 7 जिलों में हीटस्ट्रोक के कारण 16 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने आज हैदराबाद, रंगारेड्डी, करीमनगर, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यपेट, मुलुगु, महबूबनगर में 26 मई तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। लोगों को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक के पास आत्मघाती हमला, 30 मौतें: 82 लोग घायल

जाफर एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतरे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा शहर में रविवार को चमन फाटक के पास रेलवे ट्रैक के नजदीक आत्मघाती हमला किया गया, जिसकी चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 82 घायल हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक धमाके के समय ट्रेन क्वेटा कैंट की ओर जा रही थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया।

किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली

बलूचिस्तान सरकार के गृह मामलों के विशेष सहायक बाबर यूसुफजई ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने लोगों से घटनास्थल के आसपास भीड़ न लगाने की अपील की ।फिलहाल किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इसे आतंकवादी हमला मानकर जांच कर रही हैं।

जाफर एक्सप्रेस को पहले भी निशाना बनाया गया

जाफर एक्सप्रेस पाकिस्तान रेलवे की एक लंबी दूरी की प्रमुख पैसेंजर ट्रेन है।

225 दिन बाद खुले हेमकुंड साहिब के कपाट

5 क्विंटल फूलों से सजा धाम, 6605 श्रद्धालुओं ने किए दर्शन; अब तक 67 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन

चमोली, एजेंसी। चमोली में स्थित सिखों के पवित्र तीर्थ श्री हेमकुंड साहिब के कपाट शनिवार सुबह 11:30 बजे पूरे विधि-विधान और अरदास के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। करीब 225 दिन बाद खुले कपाटों के ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए देश-विदेश से आए 3000 से अधिक श्रद्धालु धाम में मौजूद रहे।पंच प्यारों की अगुवाई में श्रद्धालुओं का पहला जत्था घांघरिया से कठिन चढ़ाई पूरी कर करीब 1500 फीट की ऊंचाई पर स्थित धाम पहुंचा। कपाट खुलते ही पूरी लोकपाल घाटी 'बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के जयकारों से गूंज उठी। गुरुद्वारे को करीब 5 क्विंटल फूलों से सजाया गया था।हेमकुंड साहिब के कपाट पिछले साल 10 अक्टूबर 2025 को शीतकाल के लिए बंद किए गए थे। इसके बाद छह महीने से ज्यादा समय तक धाम बर्फ से ढका रहा। इस बार यात्रा शुरू होने से पहले ही 67,690 श्रद्धालु ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण करा चुके हैं।

सचखंड से दरबार तक पहुंचाया गया गुरुग्रंथ साहिब

गुरुद्वारा ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा के अनुसार, कपाट खुलने से पहले धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए सचखंड से गुरुग्रंथ साहिब को दरबार साहिब में विराजमान कराया गया।इसके बाद शबद कीर्तन, अरदास और सुखमनी साहिब का पाठ हुआ। श्रद्धालुओं ने बर्फ से ढके धाम में माथा टेककर यात्रा की शुरुआत की। धाम खुलने के साथ ही भ्यूंडार घाटी का गुरु आस्था पथ एक बार फिर श्रद्धालुओं की चहल-पहल से गुलजार हो गया है।

ऋषिकेश से शुरू हुआ था पहला जत्था

हेमकुंड साहिब यात्रा का पहला जत्था बुधवार को ऋषिकेश स्थित गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब से रवाना हुआ था। पंच प्यारों की अगुवाई में रवाना हुए जत्थे को दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने विदा किया था।तीन दिन की यात्रा के बाद श्रद्धालु गोविंदघाट और घांघरिया होते हुए धाम तक पहुंचे।यात्रा के दौरान कीर्तन, लंगर और अरदास का आयोजन भी किया गया। इस बार यात्रा शुरू होने के साथ ही हरिद्वार, ऋषिकेश और चमोली में श्रद्धालुओं की आवाजाही तेजी से बढ़ गई है।

तमिलनाडु में 3 दिन में 3246 बदमाश गिरफ्तार

एंटी-ड्रग टास्क फोर्स ने 419 ड्रग तस्करों से गांजा-नशीली दवाएं जब्त किया, इनकी कीमत 1.43 करोड़

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु पुलिस ने 3246 बदमाशों को हिरासत में लिया और 419 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पिछले तीन दिनों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई।अभियान के दौरान पुलिस ने 15,349 लोगों की जांच की। इनमें 12,650 हिस्ट्रीशीटर और 2,699 गैर-हिस्ट्रीशीटर शामिल थे। इनमें 844 लोगों को विभिन्न कानूनी धाराओं के तहत ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा गया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के 48 घंटे के भीतर विजय ने चार बड़े फैसले लिए थे।

इनमें तमिलनाडु के हर जिले में करीब 65 एंटी-ड्रग टास्क फोर्स (ANTF) बनाने का फैसला शामिल था।इन्हीं टास्क फोर्स के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी, बिक्री और इस्तेमाल के खिलाफ एक्शन लिया गया।

पुलिस ने गांजा और नशीली गोलियां जब्त की, कीमत 1.43 करोड़:NDPS एक्ट के तहत ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 294 मामले दर्ज किए और राज्यभर में 419 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया।

अधिकारियों ने 267.756 किलोग्राम गांजा और 2476 नशीली गोलियां भी जब्त कीं। इनकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 43 लाख बताई गई है।

डीजीपी बोले- सीएम के निर्देश पर अभियान चलाया:तमिलनाडु पुलिस महानिदेशक (DGP) कार्यालय ने बयान में कहा- यह अभियान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाया गया। पुलिस राज्य में शांति और लोगों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए काम कर रही है।

पाक-बांग्लादेश से लगे सीमा को अभेद्य बनाएंगे 10 कवच; एक साल में लागू होगी परियोजना

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा अब स्मार्ट फैंसिंग की मदद से 'अभेद्य' बनेगी। यह स्मार्ट फैंसिंग, मजबूत सुरक्षा ग्रिड योजना का हिस्सा होगी, जिसे आगामी एक साल में लागू किया जाएगा।परियोजना के तहत जो उपकरण लगाए जाएंगे, उनमें एंटी-ड्रोन गश्ती वाहन, रडार, लांग रेंज रिकॉनिसेंस एंड ऑब्जर्वेशन सिस्टम (लोरोस), फॉरवर्ड लुकिंग इन्फ्रारेड, थर्मल कैमरा, 'व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली' (सीआईबीएमएस), सर्विलांस के लिए एआई आधारित तकनीक वाले रोबोट और ड्रोन कमांडो आदि शामिल हैं। इन उपकरणों की मदद से बॉर्डर के संवेदनशील हिस्सों पर बीएसएफ के लिए चौबीस घंटे निगरानी करना आसान होगा।

इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सेंसर प्रणालीः सीमा और तटीय सुरक्षा को पुख्ता बनाएगा। यह सिस्टम दिन और रात में लंबी दूरी तक सटीक निगरानी कर सकता है।

मल्टी-सेंसर तकनीकः ये फॉरवर्ड लुकिंग इन्फ्रारेड तकनीक है। इसमें थर्मल कैमरा, डे-लाइट कैमरा और शॉर्ट-वेव इन्फ्रारेड कैमरे लगे हैं। खासियत यह है कि इनकी मदद से लंबी दूरी तक निगरानी हो सकती है। कोहरे और घने अंधेरे में भी देखा जा सकेगा।

'अमेरिका-भारत सिर्फ सहयोगी नहीं, बल्कि रणनीतिक सहयोगी हैं', जयशंकर से मुलाकात के बाद बोले मार्को रूबियो

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने आज दिल्ली में अपने समकक्ष एस. जयशंकर के साथ बातचीत के दौरान कहा कि भारत और अमेरिका न केवल सहयोगी हैं बल्कि रणनीतिक साझेदार भी हैं, जो दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर काम करते हैं।

रूबियो ने आज सुबह अपने भारतीय समकक्ष जयशंकर से मिले। प्रतिनिधिमंडल-स्तर की बातचीत के दौरान शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने कहा कि रणनीतिक संबंध भारत और अमेरिका के रिश्तों को अन्य देशों से अलग बनाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

आरोपी को कानूनी सहायता महज एक रस्म नहीं, बल्कि एक सार्थक प्रक्रिया होनी चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अपराध के आरोपियों की दी जाने वाली कानूनी सहायता पर अहम टिप्पणी की है।अदालत ने कहा कि किसी आरोपी व्यक्ति को दी जाने वाली कानूनी सहायता महज एक रस्म या दिखावटी औपचारिकता नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह एक ठोस और सार्थक प्रक्रिया होनी चाहिए। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एससी शर्मा की पीठ ने नंदकिशोर मिश्रा (74) की दायर याचिका पर दिए फैसले में यह टिप्पणी की। मिश्रा को निचली अदालत ने हत्या के अपराध के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

एमिकस क्यूरी की भूमिका पर सवाल:पीठ ने पाया कि आरोपी मध्य प्रदेश के एक सुधार गृह में बंद है। यह देखते हुए कि उसकी दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ अपील की सुनवाई के दौरान उसकी ओर से कोई भी पेश नहीं हुआ, हाईकोर्ट ने कोर्ट की सहायता करने और आरोपी का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक एमिकस क्यूरी (अदालत का सहायक वकील) नियुक्त किया। इसमें यह बात नोट की गई कि एमिकस क्यूरी की नियुक्ति 20 नवंबर, 2025 को हुई थी और हाईकोर्ट ने 26 नवंबर, 2025 को इस मामले का निपटारा कर दिया।

इस दौरान न तो आरोपी को कोई नोटिस जारी कर उसे अपील की सुनवाई के बारे में सूचित किया गया और न ही एमिकस क्यूरी उससे मिले।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने बिना किसी और देरी के न्याय देने तथा अपील पर तेजी से निर्णय करने की जल्दबाजी में अपीलकर्ता (मिश्रा) को यह बताने की कोशिश नहीं की कि उनकी ओर से कोई प्रतिनिधि न होने पर, उनकी पैरवी के लिए एक एमिकस क्यूरी (अदालत का सहायक वकील) नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, ऐसा भी प्रतीत नहीं होता कि एमिकस क्यूरी को अपीलकर्ता से बातचीत करने का कोई अवसर मिला हो।

'कानूनी सहायता केवल एक रस्म या नाममात्र की औपचारिकता नहीं होनी चाहिए' :

शीर्ष अदालत ने कहा कि इस बात का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि इस अदालत का यह लगातार मत रहा है कि किसी आरोपी व्यक्ति को दी जाने वाली कानूनी सहायता केवल एक रस्म या नाममात्र की औपचारिकता नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह एक ठोस और सार्थक प्रक्रिया होनी चाहिए, जो वकील की प्रभावी सहायता सुनिश्चित करे।पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट का यह नेक इरादा तो बिल्कुल स्पष्ट है कि उसने एक आरोपी का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक एमिकस क्यूरी नियुक्त किया, क्योंकि उसका अपना वकील उसकी अपील पर बहस करने के लिए मौजूद नहीं था और ऐसा कर हाईकोर्ट का मकसद न्याय को बढ़ावा देना ही था। लेकिन, शायद न्याय के उद्देश्य की और भी बेहतर ढंग से पूर्ति तब होती, जब अपीलकर्ता को एक औपचारिक नोटिस जारी कर उसे सुनवाई के बारे में और उसके प्रतिनिधित्व के लिए की गई व्यवस्था के बारे में सूचित किया गया होता।

बंगाल के मुर्शिदाबाद में आरोपित को पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर हमला, 10 हिरासत में

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सख्त संदेश के बाद भी पुलिस पर हमले की घटना रूक नहीं रही है। इसी क्रम में राज्य के मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के डोमकल में एक आरोपित को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। घटना में एक अधिकारी सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। ग्रामीणों ने पुलिस के कब्जे से आरोपित को भी छुड़ा लिया, जिसके बाद वह मौके से फरार हो गया। हमले और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि मुख्य आरोपित समेत अन्य हमलावरों की तलाश जारी है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घटना शुक्रवार रात की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कूचियामोड़ा इलाके का निवासी आजमत शेख, जिसके खिलाफ एक हथियार मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी है, इलाके की एक चाय की दुकान पर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस वहां पहुंची और आरोपित को हिरासत में लेकर वाहन में बैठाने लगी। इसी दौरान कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों को घेर लिया और उनके साथ धक्का-मुक्की तथा मारपीट शुरू कर दी।

आरोप है कि हमलावरों ने पुलिस के कब्जे से आरोपित को छुड़ा लिया, जिसके बाद वह फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डोमकल थाने से अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया।

रातभर चली कार्रवाई में 10 लोगों को हिरासत में लिया गया: रातभर चली कार्रवाई में 10 लोगों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस फरार मुख्य आरोपित आजमत शेख और अन्य हमलावरों की तलाश के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। जिला पुलिस प्रशासन ने कहा है कि सरकारी काम में बाधा डालने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमले के मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। मालूम हो कि यह घटना शुभेंदु अधिकारी की उस सख्त चेतावनी के कई दिनों बात सामने आई है जब मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद 16 मई को अपने पहले आधिकारिक जिला दौरे के दौरान दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने दोटूक लहजे में कहा था कि पुलिस पर हमले की कोई भी घटना अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस पर हमले की कोई भी घटना अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी- सीएम: उन्होंने हाल में आमडंगा और आसनसोल की घटनाओं का हवाला देते हुए चेतावनी दी थी कि पुलिस मार खाए, यह बात मेरे कान में नहीं आनी चाहिए। अगर पुलिस निष्क्रिय रही, तो वे खुद थाने में बैठकर काम कराएंगे।

गुरुग्राम में पुलिस आयुक्त ने यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के दिए निर्देश

गुरुग्राम, एजेंसी। पुलिस आयुक्त शिवास कविराज ने शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ शनिवार को बैठक की और यातायात व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। बैठक के दौरान पुलिस आयुक्त ने यातायात पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि चेकिंग अभियान के दौरान 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के वाहन चालकों व बाइक सवारों द्वारा किए जा रहे यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी निगरानी रखी जाए तथा नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही परिवार के साथ यात्रा कर रहे नागरिकों के साथ संवेदनशील व शालीन व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए।

30 स्थानों पर विशेष चेकिंग प्वाइंट स्थापित करने के निर्देश: पुलिस आयुक्त ने ड्रिंक एंड ड्राइव की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए गुरुग्राम में चिन्हित किए गए 30 स्थानों पर विशेष चेकिंग प्वाइंट स्थापित करने के निर्देश दिए। शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के उद्देश्य से कार पूलिंग को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

इसके लिए निजी कंपनियों व कारपोरेट संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक लोगों को कार पूलिंग अपनाने के लिए जागरूक करने संबंधी निर्देश दिए गए।बैठक में प्रमुख चौराहों व व्यस्त मार्गों पर स्थापित कैमरों व सीसीटीवी निगरानी प्रणाली के माध्यम से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध ऑनलाइन ट्रैफिक चालान की कार्यवाही को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही तकनीकी माध्यमों से यातायात प्रबंधन को मजबूत करने पर भी चर्चा की गई। बैठक में डीसीपी ट्रैफिक प्रतीक गहलोत, एसीपी, थाना प्रभारी व अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

शादी की हल्दी में मिलाया गया था घातक केमिकल आर्सेनिक

इंदौर, एजेंसी। शादी की रस्मों के दौरान लगाई गई जिस हल्दी से तीन दूल्हों की तबीयत बिगड़ी व एक दुल्हन की मौत हो गई, उसमें आर्सेनिक पाया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा कराई गई सैंपल की जांच में पता लगा है कि हल्दी को बहुत अधिक चमकीला बनाने के लिए उसमें रंग मिलाया गया था, उस रंग में आर्सेनिक था। इस रंग का प्रयोग होली पर लोगों को लगाने में किया जाता है। बता दें कि पिछले महीने इंदौर में तीन दूल्हे और खरगोन जिले के कसरावद में दुल्हन की हल्दी की रस्म के बाद तबीयत बिगड़ गई थी। बाद में इलाज के दौरान दुल्हन की मौत हो गई थी। ऐसे और भी कुछ मामले इन

जिलों में सामने आए थे। इसके बाद दोनों जिलों में प्रशासन ने बाजार में बिकने वाली खुली हल्दी और बिना ब्रांड वाले मसालों के सैंपल लेने के निर्देश दिए थे। उन सैंपल की भी रिपोर्ट आनी है। मामला इंदौर के दुधिया गांव का है। यहां के निवासी गोलू कौशल की शादी होने वाली थी। इससे पूर्व हल्दी की रस्म की गई। इसमें हल्दी लगाने के बाद इतनी बिगड़ गई थी कि इलाज के लिए शासकीय एमवाय अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। डॉक्टरों ने गंभीर एलर्जिक रिएक्शन पाया और इसके कारण वेंटिलेटर पर रखना पड़ा। स्वजन के अनुसार, हल्दी लगाने के कुछ देर बाद ही गोलू को शरीर में जलन, खुजली और सांस लेने में तकलीफ होने लगी।

रस्म के दौरान लगाई गई हल्दी में ये केमिकल मिले थे: डॉक्टरों के अनुसार, त्वचा में रिएक्शन के साथ ही श्वसन तंत्र में भी परेशानी हुई थी। हल्दी में किसी रासायनिक मिलावट की आशंका पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने हल्दी के सैंपल लिए थे। इसकी रिपोर्ट में पाया गया है कि रस्म के दौरान लगाई गई हल्दी में 0.22 एमजी आर्सेनिक, लीड 0.37 और 3.19 एमजी कॉपर था।

आग लगने पर घबराने की जगह परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएं, हेल्पलाइन पर कॉल कर तुरंत मांगे सहायता

गाजियाबाद, एजेंसी। बढ़ती गर्मी के साथ आग लगने की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। ऐसे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से दैनिक जागरण ने दमकल विभाग के सहयोग से 'सुरक्षित समाज, सुरक्षित कल' अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में शनिवार को राजनगर एक्सटेंशन स्थित वीवीआईपी सोसायटी में अग्नि सुरक्षा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सोसायटी के निवासियों, महिलाओं और मेंटेनेंस स्टाफ को आग से बचाव और आपात स्थिति से निपटने के तरीके सिखाए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अग्नि सुरक्षा अधिकारी शेषनाथ यादव ने लोगों को आग लगने के प्रमुख कारणों और उससे बचने के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिकांश आग की घटनाएं लापरवाही और विद्युत उपकरणों की समय पर जांच न होने के कारण होती हैं।

एसी और बिजली के उपकरणों की सर्विस कराना जरूरी: ऐसे में एसी और बिजली के उपकरणों की नियमित सर्विस कराना बेहद जरूरी है। साथ ही घर से बाहर जाते समय मुख्य स्विच बंद कर देना चाहिए।

एफएसओ ने लोगों को बताया कि किचन में सिलिंडर प्रयोग के बाद रेग्यूलेटर बंद करना चाहिए और चिमनी की समय-समय पर सफाई व सर्विस करानी चाहिए। मंदिर में जलने वाले दीयों को बड़ी थाली में या बालकनी जैसे सुरक्षित स्थान पर रखने की सलाह दी गई। उन्होंने लोगों से नजदीकी फायर स्टेशन और कंट्रोल रूम का नंबर मोबाइल में दर्ज रखने की अपील भी की। प्रशिक्षण सत्र के दौरान महिलाओं और मेंटेनेंस टीम को फायर एक्सटिंग्विशर और फायर होज पाइप के इस्तेमाल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने की शुरुआती तकनीक समझाई और बताया कि छोटी घटनाओं में समय रहते सही कदम उठाकर बड़े हादसे को रोका जा सकता है। अग्नि सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि आग लगने पर घबराने के बजाय सबसे पहले खुद और परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना चाहिए। साथ ही लोगों को स्पष्ट रूप से बताया गया कि आग लगने की स्थिति में लिफ्ट का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

पीएम मोदी की अपील का बड़ा असर, राजस्थान में मंत्रियों और अफसरों की सरकारी विदेश यात्राओं पर लगी रोक

जयपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील के बाद राजस्थान सरकार ने वित्तीय अनुशासन और ईंधन की बचत को लेकर बड़ा फैसला लिया है। राज्य के वित्त विभाग ने एक सख्त परिपत्र जारी करते हुए मंत्रियों, अधिकारियों और कर्मचारियों के सरकारी खर्च पर विदेश यात्रा करने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इसके साथ ही सरकारी विभागों में

फिजूलखर्ची रोकने और ईंधन की खपत कम करने के लिए नए दिशा-निर्देश (गाइडलाइंस) जारी किए गए हैं। लगातार रोकः राज्य सरकार के खर्च पर होने वाली सभी विदेशी यात्राओं को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है। सख्ती से पालनः मंत्रियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों पर यह नियम समान रूप से लागू होगा। ईंधन का कोटा तयः सभी सरकारी वाहनों के लिए पेट्रोल और डीजल की मासिक सीमा (लिमिट) तय की जाएगी।

सख्ती से मॉनिटरिंग: हर विभाग को अपने वाहनों के ईंधन खर्च का रिकॉर्ड रखना होगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने साफ किया है कि इन नियमों में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने कार्यालयों में इन वित्तीय सुधारों और ईंधन बचत के नियमों को सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुणे मेट्रो की छत से टपका पानी, बारिश ने उजागर की तैयारियों की पोल

पुणे, एजेंसी। लगातार उमस भरी गर्मी और बढ़ते तापमान के बाद शुक्रवार शाम पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में भारी बारिश हुई। बारिश से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन इससे शहर की पुरानी मानसून समस्याएं एक बार फिर उजागर हो गईं। शाम के समय हुई तेज बारिश ने ऑफिस टाइम में सामान्य जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया और सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया। हजारों यात्री घंटों सड़कों पर फंस गए। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी प्रभावित हुई, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बीच पिंपरी-स्वारगेट पर्पल लाइन पर चल रही पुणे मेट्रो के एक कोच की छत से पानी टपकने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

सियासी गलियारों में हलचल आपातकाल के दौरान बंद लोगों में से लगभग 80 प्रतिशत संघ से थे रामलाल का दावा

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल ने शनिवार को दावा किया कि यदि आरएसएस कार्यकर्ताओं ने आपातकाल के विरुद्ध सत्याग्रह में बड़ी संख्या में भाग नहीं लिया होता तो इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने 1977 में आम चुनाव नहीं कराए होते। वह आरएसएस के कोंकण डिवीजन की बैठक के

समापन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने दावा किया कि आपातकाल के दौरान जेल में बंद लोगों में से लगभग 80 प्रतिशत आरएसएस कार्यकर्ता थे। उन्होंने स्वयं उस दौरान आठ महीने जेल में बिताए थे। संगठन के योगदान के बारे में बात करते हुए रामलाल ने कहा कि भारत ने जितने भी युद्ध लड़े, उनमें आरएसएस के स्वयंसेवक भारतीय सेना के जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि हवाई मार्ग से गिराई गई सैन्य सामग्री एक खतरनाक क्षेत्र में गिरी थी। जवानों पर दुश्मन का ध्यान जा सकता था। किसी ने उन्हें बताया कि पास में ही एक गांव है, जहां आरएसएस के स्वयंसेवक हर शाम एकत्र होते हैं। स्वयंसेवक रेंगते हुए उस जगह तक पहुंचे जहां सामग्री गिरी थी और उसे वापस ले आए। उनके नाम कभी सार्वजनिक नहीं किए गए, लेकिन इस कार्रवाई में चार लोगों की जान चली गई।

ईरान पर हमले का फैसला ले सकते हैं ट्रंप खाड़ी देशों के शीर्ष नेताओं से करेंगे बातचीत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ युद्ध को फिर से शुरू करने या शांति समझौता करने के मुद्दे पर रविवार तक कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। ट्रंप ने शनिवार को जानकारी दी कि वह ईरान के ताजा प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए अपने वार्ताकारों के साथ बैठक कर रहे हैं। अमेरिकी मीडिया आउटलेट 'एक्सियोस' से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि स्थिति फिलहाल 50/50 है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि या तो वह एक अच्छा समझौता करने में सफल होंगे, या फिर ईरान को पूरी तरह तबाह कर देंगे। इस महत्वपूर्ण फैसले पर चर्चा करने के लिए ट्रंप वॉशिंगटन में विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ बैठक करेंगे। ओहियो में मौजूद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के भी इस बैठक में शामिल होने के लिए

वॉशिंगटन लौटने की संभावना है। दूसरी ओर, शांति समझौते की बारीकियों और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा करने के लिए पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर तेहरान में मौजूद हैं।

भारत दौरे पर मार्को रुबियो ने दिए संकेत: हालांकि, भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दिल्ली में इस मामले पर सकारात्मक संकेत दिए हैं। रुबियो ने कहा, 'कुछ प्रगति हुई है। जब मैं आपसे बात कर रहा हूँ, तब भी इस पर काम चल रहा है। संभावना है कि आज देर रात, कल (रविवार) या अगले कुछ दिनों में हमारे पास कहने के लिए कुछ बड़ा हो।' यहां रुबियो ने अमेरिका की तीन प्रमुख शर्तें भी दोहराई, जिसमें ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं हो सकते, होर्मुज जलडमरूमध्य बिना किसी शुल्क के खुला रहना चाहिए और तेहरान को अपना सारा अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम सौंपना होगा।

सहमति पत्र पर अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत: रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने के लिए एक 'लेटर ऑफ इंटेंट' (सहमति पत्र) पर बातचीत कर रहे हैं। इसके तहत दोनों पक्ष युद्ध रोकने और अगले 30 दिनों तक और अधिक गहन बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। ट्रंप ने साफ किया है कि वह केवल वही समझौता मानेंगे जिसमें यूरेनियम संवर्धन और ईरान के मौजूदा भंडार का मुद्दा पूरी तरह हल हो। उन्होंने कहा, दो में से एक बात होगी, या तो मैं उन पर अब तक का सबसे जोरदार हमला करूंगा, या हम एक अच्छा समझौता करेंगे।

सात देशों के नेताओं के साथ बातचीत करेंगे ट्रंप: इस बीच, ट्रंप क्षेत्रीय स्थिरता पर चर्चा करने के लिए सात देशों के नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस कॉल करने वाले हैं। फॉक्स न्यूज के अनुसार, इस कॉल में सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात (८श्व), मिस्र, जॉर्डन, तुर्की और पाकिस्तान के नेता शामिल होंगे। यह कॉल पूर्वी समयानुसार दोपहर एक बजे होने की उम्मीद है। ट्रंप ने उन अटकलों को भी खारिज किया कि इस्रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू किसी खराब समझौते को लेकर चिंतित हैं।

क्या खत्म होगा पश्चिम एशिया संघर्ष अमेरिका का दावा- ईरान सौंपेगा यूरेनियम भंडार

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित एक समझौते के तहत अपने संवर्धित यूरेनियम भंडार को सौंपने पर सहमति जताई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों ने यह दावा किया है। हालांकि, समझौते की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई हैं, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका ने शुरुआती समझौते में ही ईरान से यूरेनियम भंडार को लेकर स्पष्ट प्रतिबद्धता मांगी थी।

सूत्रों के अनुसार, ईरान और अमेरिका के बीच प्रस्तावित समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू तेहरान द्वारा अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम भंडार को सौंपने की एक स्पष्ट प्रतिबद्धता है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने इस संबंध में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

ट्रंप ने किया एलान, लेकिन अनिश्चितता बरकरार: अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा था कि अमेरिका ईरान के साथ युद्ध खत्म करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की दिशा में एक समझौते के करीब पहुंच गया है। हालांकि, उन्होंने कोई विवरण नहीं दिया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि इस सौदे को अंतिम रूप देने में क्या बाधाएं आ सकती हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अभी यह तय नहीं हुआ है कि ईरान अपने यूरेनियम भंडार को किस तरह सौंपेगा। इस मुद्दे पर आगे होने वाली परमाणु वार्ता में चर्चा की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, ईरान की यह प्रतिबद्धता अमेरिका के लिए काफी अहम मानी जा रही है। वहीं, ईरान की ओर से इस समझौते पर अब तक कोई सार्वजनिक बयान नहीं आया है।

फैक्ट्री के केमिकल टैंक में विस्फोट का खतरा कैलिफोर्निया की ऑरेंज काउंटी में इमरजेंसी घोषित

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक फैक्ट्री के केमिकल टैंक का तापमान लगातार बढ़ रहा है। जिससे टैंक के फटने का खतरा पैदा हो गया है। अगर ऐसा होता है तो इससे भारी तबाही आ सकती है। यही वजह है कि हालात को देखते हुए कैलिफोर्निया की सरकार ने इलाके में आपातकाल लागू कर दिया है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने ऑरेंज काउंटी में इमरजेंसी घोषित कर दी है। दरअसल वहां गार्डन ग्रोव इलाके में एक एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री में मौजूद खतरनाक औद्योगिक केमिकल वाले टैंक खतरनाक स्तर पर गर्म हो गए हैं और उन्हें ठंडा करने के लिए इमरजेंसी टीमें लगातार काम कर रही हैं। अगर इन केमिकल टैंक को ठंडा नहीं किया गया तो इससे वहां बड़ा हादसा हो सकता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूसम ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'ऑरेंज काउंटी के लोगों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।' उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया सरकार हर संभव संसाधन इस्तेमाल कर रही है, ताकि राहत टीमों और प्रभावित लोगों की मदद की जा सके।

गवर्नर ने ओरेंज काउंटी इलाके में घोषित की इमरजेंसी: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर न्यूसम ने लिखा, 'मैं ऑरेंज काउंटी में स्टेट ऑफ इमरजेंसी घोषित कर रहा हूं क्योंकि कैलिफोर्निया गार्डन ग्रोव में हुए खतरनाक केमिकल हादसे से निपटने में जुटा हुआ है। राज्य की एजेंसियां स्थानीय अधिकारियों और प्रभावित समुदायों की मदद कर रही हैं, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

व्हाइट हाउस के पास गोलियां बरसाने वाला सिरफिरा: खुद को समझता था ईसा मसीह जानिए कौन था नासिरे बेस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले राष्ट्रपति भवन 'व्हाइट हाउस' के बाहर शनिवार शाम को अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट से हड़कंप मच गया। एक 21 साल के लड़के ने सुरक्षा चौकी पर तैनात जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में सुरक्षा एजेंसी सीक्रेट सर्विस के मुस्तैद जवानों ने भी मोर्चा संभाला और महज कुछ ही मिनटों में हमलावर को ढेर कर दिया। इस घटना के वक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के अंदर ही मौजूद थे, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। हालांकि, मुठभेड़ में वहां से गुजर रहा एक आम नागरिक गोली लगने से गंभीर रूप

से घायल हो गया।

आखिर कौन था हमलावर नासिरे बेस्ट: अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की जांच और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाइट हाउस पर हमला करने वाले इस 21 साल के हमलावर का नाम नासिरे बेस्ट था। नासिरे कोई प्रोफेशनल आतंकी या शूटर नहीं था, बल्कि वह लंबे समय से दिमागी रूप से बीमार था। हैरान करने वाली बात यह है कि नासिरे को एक अजीब सा वहम था। वह खुद को 'जीसस क्राइस्ट' यानी ईसा मसीह समझता था। अदालती दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि नासिरे बेस्ट अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों के लिए कोई नया नाम नहीं था, वह पहले भी ऐसी हरकतें कर चुका था। इससे पहले भी उसे व्हाइट हाउस के पास की सड़क पर ट्रैफिक रोकने और मनाही के बावजूद जबरन हाई-सिक्योरिटी जोन में घुसने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका था। पुराने अदालती रिकॉर्ड के मुताबिक, नासिरे ने पूछताछ में खुद कहा था कि वह ईसा मसीह है और वह जानबूझकर ऐसी हरकतें करता है ताकि पुलिस उसे गिरफ्तार कर ले। उसकी इन अजीब हरकतों की वजह से कोर्ट ने उस पर व्हाइट हाउस के आसपास के पूरे इलाके में आने पर पाबंदी लगा रखी थी।

शनिवार शाम को क्या-क्या हुआ पूरी कहानी: यह पूरी वारदात शनिवार शाम ठीक 6 बजे स्थानीय समयानुसार व्हाइट हाउस परिसर के ठीक बाहर 17वें स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू के पास हुई। चश्मदीदों के मुताबिक, नासिरे बेस्ट शाम को चुपचाप उस इलाके में पहुंचा और काफी देर तक संदिग्ध हालत में वहां टहलता रहा। सुरक्षाकर्मियों को भनक लगती, इससे पहले ही उसने अचानक अपने बैग से एक हैंडगन निकाली और सुरक्षा चौकी तैनात सीक्रेट सर्विस के अफसरों पर सीधे निशाना साधकर तीन राउंड गोलियां चला दीं। अचानक हुए इस हमले से वहां भगदड़ मच गई। लेकिन सीक्रेट सर्विस के जांबाज एजेंटों ने बिना एक पल गंवाए तुरंत अपनी पोजीशन ली और नासिरे पर जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को काबू करने के लिए ताबड़तोड़ करीब 30 राउंड गोलियां चलाईं। जवानों की कई गोलियां नासिरे को लगीं और वह लहूलुहान होकर वहीं जमीन पर गिर गया। उसे तुरंत पास के जॉर्ज वॉशिंगटन अस्पताल ले जाया गया।

सीधी के काशीहवा में अग्निकांड: तीन मासूमों की मौत पर प्रभारी मंत्री पहुंचे, परिवार को 18 लाख की सहायता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जमोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम काशीहवा में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद रविवार शाम करीब 4 बजे प्रदेश के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंचे। इस हादसे में एक ही परिवार के तीन मासूम बच्चों की जिंदा जलकर मौत हो गई थी, जिससे पूरे गांव में शोक का माहौल है प्रभारी मंत्री ने मृत बच्चों के माता-पिता से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और दुख की इस घड़ी में शासन की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने तत्काल राहत के रूप में ?20 हजार की आर्थिक सहायता राशि परिवार को प्रदान की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री राहत कोष से तीनों मृत बच्चों के नाम पर 6-6 लाख रुपए के हिसाब से कुल ?18 लाख की सहायता राशि का चेक भी सौंपा गया मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि यह घटना बेहद हृदयविदारक है और सरकार पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि परिवार को हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। गौरतलब है कि यह दर्दनाक हादसा शनिवार दोपहर करीब 1 बजे ग्राम काशीहवा में हुआ था। ग्रामीणों के अनुसार घर के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार में अचानक स्पार्किंग हुई जिससे कच्चे मकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। उस समय घर बाहर से बंद था और अंदर तीन मासूम बच्चे मौजूद थे हादसे में डेढ़ वर्षीय रिधि साकेत, 6 वर्षीय धुम्मू उर्फ संध्या साकेत तथा 3 वर्षीय एक अन्य मासूम बच्चे की जिंदा जलकर मौत हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि बच्चे बाहर निकलने का मौका तक नहीं पा सके बताया गया है कि घटना के समय बच्चों के पिता रामरतन साकेत मजदूरी के लिए सीधी शहर गए हुए थे जबकि मां राशन लेने दुकान गई थी इसी दौरान घर में आग लग गई ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया और पुलिस को सूचना दी लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है वहीं प्रशासन द्वारा घटना के कारणों की भी विस्तृत जांच कराई जा रही है।

इंजीनियर की रोड एक्सीडेंट में मौत,रोड सर्वे के दौरान ट्रेलर ने मारी टक्कर, बैढ़न मुख्य मार्ग पर हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ओडगड़ी गांव के पास रविवार दोपहर एक सड़क हादसे में सर्वे इंजीनियर की मौके पर मौत हो गई बैढ़न मुख्य मार्ग पर सड़क निर्माण कार्य का सर्वे करते समय एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उन्हें टक्कर मार दी मृतक की पहचान फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश निवासी भानुप्रताप के रूप में हुई है वह एक सड़क निर्माण कंपनी में सर्वे इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे और अपनी टीम के साथ बैढ़न मुख्य मार्ग का सर्वे कर रहे थे। घटना के बाद मौके पर मौजूद मजदूरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही बरगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को जब्त कर लिया है और उसके चालक की तलाश कर रही है हादसे के कारण सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा बरगवां थाना प्रभारी मोहम्मद समीर ने बताया कि सड़क सर्वे के दौरान ट्रेलर की चपेट में आने से इंजीनियर की मौत हुई है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है पुलिस ट्रेलर चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर रही है।

बैढ़न मस्जिद तिराहे पर बिजली पोल में आग शॉर्ट सर्किट से केबल जला, कई इलाकों की बिजली गुल देर रात हुआ बहाल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बैढ़न स्थित मस्जिद तिराहे पर शनिवार देर रात बिजली के पोल में आग लग गई आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी जिससे पोल पर फैले तारों और केबलों में चिंगारी उठी और उसने भीषण रूप ले लिया आग की लपटें काफी ऊंचाई तक उठ रही थीं जिससे आसपास के लोगों और सुरक्षाकर्मियों में हड़कंप मच गया घटना में कई बिजली केबल जलकर खाक हो गए इसके परिणामस्वरूप मस्जिद तिराहे और आसपास के मोहल्लों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई

बिजली लाइन बंद की और मरम्मत कार्य शुरू: स्थानीय निवासियों ने तत्काल बिजली विभाग को घटना की सूचना दी सूचना मिलते ही विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने एहतियात के तौर पर बिजली लाइन बंद की और मरम्मत कार्य शुरू किया कर्मचारियों ने जले हुए केबल हटाकर नए केबल जोड़े जिसके बाद धीरे-धीरे बिजली आपूर्ति बहाल की गई उल्लेखनीय है कि मस्जिद तिराहे से कुछ दूरी पर स्थित राजमाता चुनकुमारी स्टेडियम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कार्यक्रम प्रस्तावित था इस आकस्मिक आग लगने की घटना ने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था और बिजली आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ा दी स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली के पोलों पर अव्यवस्थित ढंग से फैले तार लगातार हादसों का कारण बन रहे हैं उन्होंने बिजली विभाग से पुराने और जर्जर केबलों को जल्द बदलने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

दुआरा की पत्थर खदान में अनियमितताओं पर प्रशासन की छापामार कार्रवाई

विस्फोटक उपयोग में गड़बड़ी पर प्रशासन सख्त, खदान संचालन पर तत्काल रोक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम दुआरा तहसील बहरी स्थित स्वीकृत पत्थर खदान में नियमों की गंभीर अनदेखी और संदिग्ध ब्लास्टिंग की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए संयुक्त छापामार अभियान चलाया। कलेक्टर एवं जिलादण्डाधिकारी क्र विकास मिश्रा तथा पुलिस अधीक्षक क्र संतोष कोरी के निर्देशन एवं एसडीएम सिहावल क्र राजेश शुक्ला के मार्गदर्शन में प्रशासनिक और पुलिस अमले ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच में खदान संचालन में गंभीर लापरवाही और सुरक्षा मानकों की खुली अवहेलना सामने आई खदान क्षेत्र में सीमा चिन्ह तार फेंसिंग और अन्य अनिवार्य सुरक्षा व्यवस्थाएं नियमानुसार नहीं पाई गईं। इसे जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानते हुए प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से खदान में पत्थर उत्खनन और ब्लास्टिंग गतिविधियां बंद करा दीं कार्रवाई के दौरान विस्फोटक कार्य में प्रयुक्त वाहन क्रमांक डच17ळ-3415 मौके पर पाया गया। वाहन के साथ मौजूद व्यक्तियों से विस्फोटक सामग्री के परिवहन एवं उपयोग संबंधी वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन मौके पर कोई वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जा सके मामला तब और गंभीर हो गया, जब व्हाट्सएप के माध्यम से दिखाए गए प्रपत्र त्-13 में विस्फोटक सामग्री के उपयोग का स्थान ग्राम बारी तहसील गोपद बनास दर्ज था जबकि वही सामग्री ग्राम दुआरा, तहसील बहरी क्षेत्र में पाई गई। प्रथम दृष्टया यह विस्फोटक सामग्री के परिवहन और उपयोग में गंभीर अनियमितता तथा नियमों के संभावित उल्लंघन का मामला पाया गया प्रशासन ने तत्काल वाहन को थाना बहरी के सुपुर्द कर विस्फोटक अधिनियम के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है जिला प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जनसुरक्षा से खिलवाड़ नियमों की अवहेलना और अवैध गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस (शून्य सहिष्णुता) की नीति अपनाई जाएगी।

बिजली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कलेक्टर के सख्त निर्देश, शिकायतों हेतु कंट्रोल रूम स्थापित करने के आदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में बिजली संबंधी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से कलेक्टर क्र विकास मिश्रा ने विद्युत विभाग को सख्त निर्देश जारी किए हैं कलेक्टर ने कहा है कि प्राय: यह देखने में आता है कि बिजली के खंभों से उपभोक्ताओं के मीटर तक किए जाने वाले कनेक्शनों में तार खुली रह जाने सही तरीके से टेपिंग नहीं होने अथवा कनेक्शन में तकनीकी लापरवाही के कारण स्पार्किंग की स्थिति बनती है जिससे गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है कलेक्टर ने मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री एवं संभागीय यंत्री को निर्देशित किया है कि सभी विद्युत कनेक्शनों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए बिजली के खंभों से उपभोक्ताओं के मीटर तक कनेक्शन के दौरान सही तरीके से टेपिंग, सुरक्षित वायरिंग और तकनीकी मानकों के अनुरूप कनेक्शन सुनिश्चित किए जाएं ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव किया जा सके इसके साथ ही कलेक्टर ने बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। कंट्रोल रूम के संपर्क नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के साथ वहां प्राप्त शिकायतों का पंजी संधारित किया जाएगा और प्रत्येक शिकायत पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों और उनके निराकरण की जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाए, ताकि शिकायत निवारण व्यवस्था की प्रभावी निगरानी की जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

महावीर अभियान: गौसेवा बनी संस्कारों की पाठशाला बच्चों नें सीखा सेवा, संवेदना और अपनत्व का पाठ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन एवं जिला शिक्षा केंद्र की अभिनव पहल महावीर अभियान के तहत बच्चों में मानवीय मूल्यों और जीवों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का प्रेरक प्रयास निरंतर जारी है अभियान के द्वितीय चरण में बच्चों ने गौसेवा के माध्यम से दया सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी का जीवंत संदेश दिया देव गौशाला पिपरोहर में बच्चों ने श्रद्धा और स्नेह के साथ गौमाता को रोटियां खिलाईं, वहीं कांजी हाउस सीधी में उपचाररत गौवंश को बच्चों और उनके अभिभावकों ने रोटियां, पूड़ियां और गुड़ खिलाकर सेवा भाव प्रकट किया। इस दौरान बेजुबान पशुओं के प्रति बच्चों का अपनापन और संवेदनशीलता देखते ही बन रही थी कलेक्टर क्र विकास मिश्रा ने कांजी हाउस सीधी पहुंचकर बच्चों और अभिभावकों के साथ उपचाररत गौवंश की सेवा गतिविधियों में सहभागिता की तथा बच्चों को जीवों के प्रति दया, संवेदना और संरक्षण का संदेश दिया। उनकी उपस्थिति ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और यह संदेश दिया कि छोटी उम्र से ही सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के संस्कार विकसित किए जाने चाहिए इसी क्रम में शासकीय माध्यमिक शाला कंजवार के बच्चों ने ग्राम पंचायत कंजवार के जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों के साथ मिलकर गौसेवा की प्रेरक मिसाल पेश की। बच्चों ने बेजुबान गायों को रोटी खिलाकर सेवा दया करुणा और सहानुभूति जैसे मानवीय मूल्यों को आत्मसात किया यह आयोजन बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन मूल्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बना उल्लेखनीय है कि महावीर अभियान का उद्देश्य बच्चों को मानवीय मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति दया भाव से जोड़ना है। अभियान के प्रथम चरण में भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए विभिन्न स्थानों पर सकोरे बांधकर पानी की व्यवस्था की गई थी जिला प्रशासन और जिला शिक्षा केंद्र की यह पहल शिक्षा को संस्कारों से जोड़ते हुए नई पीढ़ी में संवेदनशीलता, सेवा और सामाजिक चेतना का संचार करने वाला एक प्रेरक अभियान बनती जा रही है।

चुन्दी नदी के पास दो ट्रकों की आमने-सामने भिड़ंत, चालक गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में रविवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया जयसिंहनगर और गोहपारू थाना क्षेत्र की सीमा पर चुन्दी नदी के पास दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों के केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और चालक अंदर फंस गए हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और सड़क पर लंबा जाम लग गया घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीण भी बड़ी संख्या में मदद के लिए मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया ट्रकों के अगले हिस्से बुरी तरह दब जाने के कारण चालकों को बाहर निकालने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा काफी मशक्कत के बाद दोनों ट्रकों को पीछे खिंचवाया गया जिसके बाद केबिन में फंसे चालकों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा रही। पुलिस लगातार स्थिति को नियंत्रित करने और यातायात सुचारु बनाए रखने में जुटी रही गंभीर रूप से घायल दोनों चालकों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया डॉक्टरों के अनुसार दोनों को गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज जारी है समय रहते किए गए रेस्क्यू ऑपरेशन के कारण दोनों की जान बचाई जा सकी प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों ट्रक तेज रफ्तार में थे। माना जा रहा है कि मोड़ के पास वाहन अनियंत्रित होने के कारण यह दुर्घटना हुई प्रारंभिक जांच में तेज गति और सड़क पर नियंत्रण खोना हादसे का मुख्य कारण बताया जा रहा है पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है हादसे के बाद कुछ समय तक मार्ग पर यातायात बाधित रहा जिसे बाद में सामान्य कराया गया। प्रशासन ने वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

आंधी से बाबुल का पेड़ गिरा, बिजली के खंभे टूटे, तीन गांवों की आपूर्ति ठप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन विद्युत वितरण केंद्र के अंतर्गत ग्राम मऊ में रविवार दोपहर तेज आंधी और तूफान से भारी नुकसान हुआ एक विशाल बाबुल का पेड़ बिजली के तारों पर गिरने से दो बिजली पोल टूट गए और एक ट्रांसफार्मर झुक गया। इससे मऊ, रघुनाथपुर और शंकरपुर सहित तीन गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई यह घटना रविवार दोपहर लगभग 12 बजे हुई पेड़ गिरने से चार पोलों के तार भी क्षतिग्रस्त हो गए ग्रामीणों के अनुसार बिजली पिछले चार घंटे से गुल है,जबकि विद्युत विभाग ने अगले पांच घंटे में आपूर्ति बहाल होने की संभावना जताई है ग्रामीण सत्यदेव चौधरी ने बताया कि अचानक मौसम बदलने और तेज आंधी-तूफान के कारण बाबुल का पेड़ बिजली लाइन पर गिरा। पेड़ गिरने से रास्ता भी अवरुद्ध हो गया है जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है हादसे की सूचना मिलते ही बिजली कंपनी सक्रिय हो गई 8 कर्मचारियों की टीम मौके पर जेई सत्य प्रकाश शाह ने बताया कि क्षतिग्रस्त लाइन और पोल की मरम्मत के लिए तत्काल आठ कर्मचारियों की टीम मौके पर भेजी गई है। सुरक्षा कारणों से बिजली आपूर्ति बंद रखी गई है ताकि कोई बड़ा हादसा न हो ग्रामीणों ने जल्द से जल्द रास्ते से पेड़ हटाने और बिजली व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। भीषण गर्मी के बीच लंबे समय तक बिजली बंद रहने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

चुरहट में सरकारी जमीन से हटाया अतिक्रमण :SDM की मौजूदगी में चलाया बुलडोजर, अतिक्रमणकारी को नोटिस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के चुरहट क्षेत्र में सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ रविवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की एसडीएम चुरहट विकास कुमार आनंद की मौजूदगी में पुलिस बल और राजस्व विभाग की टीम ने सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया कार्रवाई ग्राम सलैया स्थित शासकीय आराजी खसरा क्रमांक 47 पर की गई। कुल 0.050 हेक्टेयर में से 0.010 हेक्टेयर भूमि पर राजराखन तिवारी पिता गिरवरधारी तिवारी निवासी सलैया ने बाड़ लगाकर कब्जा कर लिया था।

एसडीएम ने लगाया जुर्माना, नोटिस जारी: पटवारी हल्का सलैया की ओर से प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 248 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। अतिक्रमणकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया अनावेदक ने नोटिस के बाद उपस्थित होकर कोई संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया पटवारी प्रतिवेदन और अन्य दस्तावेजों के परीक्षण के बाद सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की पुष्टि हुई इसके बाद एसडीएम विकास कुमार आनंद ने अतिक्रमणकारी पर 1 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया और उसे सरकारी भूमि से बेदखल करने का आदेश दिया।

शासकीय जमीन कराई अतिक्रमण मुक्त: आदेश के पालन में एसडीएम स्वयं पुलिस बल, राजस्व निरीक्षक, पटवारी और अन्य कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे उन्होंने सरकारी जमीन पर लगाई गई बाड़ को हटवाकर जमीन को पुन: शासन के कब्जे में लिया प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में प्रशासनिक सख्ती का संदेश गया। एसडीएम विकास कुमार आनंद ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

होर्मुज संकट के बीच बढ़ी ऊर्जा चिंता, विकल्पों की तलाश में भारत की नई रणनीति

संपादकीय

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद समूचे मध्यपूर्व के इलाके में जैसे जटिल हालात पैदा हुए हैं, उसका स्वाभाविक असर वैश्विक पैमाने पर ऊर्जा की आपूर्ति पर पड़ा। हालांकि जब दोनों पक्षों के बीच चौदह दिनों के युद्धविराम की घोषणा हुई थी, तब उम्मीद जगी थी कि अब शायद ईरान होर्मुज जलमार्ग को भी खोल दे और कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बहाल हो। मगर उसके बाद ईरान और अमेरिका के बीच हुई शांति वार्ता नाकाम रही और इसी के साथ होर्मुज जलमार्ग की बहाली की उम्मीद एक बार फिर मंद पड़ गई।

आज हालत यह है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने का जिन देशों पर ज्यादा असर पड़ा है, वे अब ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर विचार कर रहे हैं। गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग बाधित होने के बाद तेल और गैस की व्यापक कमी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में कहा कि रसोई गैस के विकल्प के रूप में बायोगैस सहित अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को हर हाल में बढ़ावा दिया जाए।

दरअसल, होर्मुज जलमार्ग से वैश्विक जरूरत के बीस से पच्चीस प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति होती है। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिनकी खासी निर्भरता वहां से आने वाले ऊर्जा स्रोतों पर है। यही वजह है कि ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाई है और उसके बाद अमेरिका ने नाकाबंदी की, तब से देश घरेलू गैस और पेट्रोल-डीजल की व्यापक कमी का सामना कर रहा है। यों इस बीच सरकार ने रूस से तेल खरीद के रास्ते तैयार करने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका के रुख की वजह से उसमें भी कई अड़चनें पेश आ रही हैं। ऐसे में फिलहाल सबसे बेहतर उपाय यही है कि दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करने के लिए देश में ही वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का ढांचा तैयार किया जाए। इस लिहाज से देखें तो देश में बायोगैस सहित अन्य ऊर्जा स्रोतों की जमीन मजबूत होती है, तो यह न केवल तात्कालिक स्तर पर समस्या का सामना करने के लिहाज से महत्त्वपूर्ण होगा, बल्कि यह दूरगामी स्तर पर देश के व्यापक हित में होगा।

पश्चिम एशिया में एक ओर अमेरिका के रुख तो दूसरी ओर ईरान के जवाबी रवैये की वजह से न केवल भारत, बल्कि दुनिया के बहुत सारे देशों के सामने संकट धीरे-धीरे गहरा रहा है। शायद इसीलिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के कार्यकारी निदेशक ने दुनिया को यह चेतावनी दी है कि अगर होर्मुज जलमार्ग पूरी तरह और बिना किसी शर्त के जल्द नहीं खुला, तो दुनिया जल्दी ही 'रेड जोन' में प्रवेश कर सकती है, जहां तेल आपूर्ति सामान्य मांग को भी संभालने में पूरी तरह असमर्थ हो जाएगी।

दुनिया दीवानी फुटबॉल की, अब हमारी बारी!

दिलीप कुमार पाठक

(25 मई विश्व फुटबॉल दिवस)

फुटबॉल दुनिया का ऐसा खेल है, जिसे समझने के लिए किसी भाषा की आवश्यकता नहीं है, फ़ुटबाल किसी भी भाषा में आए समझ आता है। मैदान पर पैर की एक जादुई ड्रिबल, एक सटीक पास और नेट से टकराती गेंद - यह वह रोमांच है जो दुनिया के हर कोने को एक धागे में पिरो देता है। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र ने 25 मई को आधिकारिक तौर पर विश्व फुटबॉल दिवस घोषित किया है। यह फैसला सिर्फ इस खेल की लोकप्रियता का जश्न नहीं है, बल्कि इस बात का सम्मान है कि फुटबॉल दुनिया में शांति, एकजुटता और युवाओं को जोड़ने का सबसे खूबसूरत जरिया है। जब पूरी दुनिया इस खेल के रंग में रंगी है, तब भारत के लिए यह दिन एक नई ऊर्जा और बड़े सपनों के साथ आगे बढ़ने का अवसर है।

अक्सर कहा जाता है कि भारत सिर्फ क्रिकेट का दीवाना है, लेकिन सच यह है कि हमारे देश में फुटबॉल को लेकर एक खामोश क्रांति आकार ले रही है। कोलकाता के मैदानों का पारंपरिक जोश हो, केरल की गलियों की दीवानगी हो या पूर्वोत्तर के पहाड़ों से निकलती नई प्रतिभाएं - फुटबॉल का जज्बा हमारी रगों में तेजी से दौड़ रहा है। इंडियन सुपर लीग की सफलता और जमीनी स्तर पर शुरू हुए नए फुटबॉल प्रोजेक्ट्स ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय युवाओं में इस खेल को लेकर गजब का आकर्षण है। अब समय आ गया है कि इस जुनून को एक सही दिशा देकर हम वैश्विक मंच पर अपनी बड़ी पहचान बनाएं। भारत इस क्षेत्र में बहुत कुछ कर सकता है और इसके लिए हमें एक सामूहिक प्रयास की जरूरत है। सबसे बेहतरीन शुरुआत स्कूलों और स्थानीय स्तर पर फुटबॉल फॉर ऑल यानी सबके लिए फुटबॉल अभियान चलाकर की जा सकती है। यदि हर पंचायत और नगरीय निकाय में बच्चों के लिए एक अदद मैदान और बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कर दी जाएं, तो देश को हुनर खोजने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। हमारे कॉर्पोरेट जगत के पास सीएसआर फंड के जरिए ग्रामीण इलाकों में छोटी-छोटी फुटबॉल अकादमियां खोलने का शानदार मौका है। जब सरकार, कॉर्पोरेट और समाज मिलकर काम करेंगे, तो भारत में प्रतिभाओं का एक ऐसा ताना-बाना तैयार होगा जो भविष्य में वैश्विक कप्तानों को जन्म देगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल भारत के लिए एक बहुत बड़ी सॉफ्ट पावर बन सकता है। खेल एक ऐसा माध्यम है जो बिना किसी राजनीतिक तनाव के दो देशों के लोगों के दिलों को जोड़ देता है। जब भारतीय फुटबॉल टीम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में तिरंगा लहराएगी, तो यह न केवल देश की ब्रांड वैल्यू को बढ़ाएगा बल्कि दुनिया भर में भारत के युवाओं के कौशल का डंका बजाएगा। मैदान के इस जादू का सबसे बड़ा फायदा हमारे स्वास्थ्य और सामाजिक ताने-बाने को मिलता है। आज के डिजिटल युग में जब बच्चे मोबाइल स्क्रीन पर बंधे हैं, फुटबॉल उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए एक बेहतरीन वरदान है। 90 मिनट तक मैदान पर लगातार दौड़ना और तुरंत रणनीतियां बनाना दिल को मजबूत करता है, स्टेमिना बढ़ाता है और मोटापे जैसी बीमारियों को कोसों दूर रखता है। सबसे खास बात यह है कि फुटबॉल बच्चों को अकेले नहीं, बल्कि टीम वर्क के साथ आगे बढ़ना सिखाता है। मैदान पर सीखी गई अनुशासन और आपसी तालमेल की यह कला जिंदगी के हर मोड़ पर काम आती है। 25 मई का यह ऐतिहासिक दिन हमें यह भरोसा दिलाता है कि भारत के पास गति भी है और प्रगति का संकल्प भी। हमारी नई पीढ़ी के पैरों में वो दम है जो दुनिया के किसी भी मैदान पर अपना लोहा मनवा सकती है। जरूरत बस इस बात की है कि हम उनके इस हौसले को सही संसाधन और सही मंच दें। अगर आज हम मिलकर एक सही और सकारात्मक शुरुआत करेंगे, तो वह दिन दूर नहीं जब फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर दुनिया भारत के खेल को सलाम करेगी।

तपती धरती आग उगलता आसमान झुलसता जनजीवन

मनोज कुमार अग्रवाल

देश इस समय ऐसी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, जिसने सामान्य जनजीवन को हिला दिया है। जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अय सामान्य मौसमी बदलाव से आगे बढ़कर जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। अगर देखा जाए, यह केवल मौसम की सामान्य मार नहीं है, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाएं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग छांव की तलाश करते हैं। लेकिन इस बार गर्मी का स्वरूप ज्यादा तीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। है। चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास, घबराहट, सिरदर्द, पेट दर्द, बेहोशी और शरीर का तापमान बढ़ना इसके शुरुआती संकेत हो सकते हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यही स्थिति हीट स्ट्रोक में बदल सकती है, जो जानलेवा साबित हो सकत्ती है। सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुगों, गर्भवती महिलाओं, पहले से बीमार लोगों, मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों को होता है। ये लोग अक्सर मजबूरी में तपती धूप में काम करते हैं। इनके पास न तो पर्याप्त छांव होती है, न ठंडा पानी और न आराम की सुविधा। ऐसे में केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं है, इनके लिए स्थानीय स्तर पर ठोस व्यवस्था भी जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से से एडवाइ एडवाइजरी जारी की जा रही है। अस्पतालों में हीटस्ट्रोक कक्ष, ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट्स, आइस पैक, ठंडे तरल पदार्थ और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की व्यवस्था की जा रही है। यह स्वागत योग्य कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहेंगी या जमीन पर भी दिखाई देंगी? हर जिला अस्पताल, उप-जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के इलाज की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। एंबुलेंस कर्मियों को भी हीट स्ट्रोक की स्थिति में तत्काल राहत राहत देने का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को वाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, श्रमिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी छांव, पानी के टैंकर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जा सकते हैं। स्कूलों, खेल आयोजनों और सामूहिक कार्यक्रमों के समय में बदलाव जरूरी है। इस भीषण गर्मी को केवल मौसमी घटना मानकर भूल जाना बड़ी भूल होगी। लगातार बढ़ता तापमान, शहरी इलाकों में कंक्रीट का फैलाव, पेड़ों की कटाई, जल स्रोतों का सिकुड़ना और प्रदूषण ये सभी मिलकर गर्मी को और घातक बना रहे हैं। शहरों में गर्मी गांवों की तुलना में अधिक महसूस होती है, क्योंकि वहां कंक्रीट, डामर और बंद स्थान तापमान को और बढ़ा देते हैं। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। यदि शहरों में हरियाली नहीं बढ़ाई गई, जल संरक्षण नहीं किया गया और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आने वाले वर्षों में गर्मी और भी भयावह रूप ले सकती है। हमें सड़क चौड़ी करने से पहले पेड़ों के महत्व को समझना होगा। विकास का अर्थ केवल इमारतें और पलाईओवर नहीं है, बल्कि रहने योग्य शहर भी है। देश में 25 मई से नौतपा शुरू होने जा रहा है। परंपरागत रूप से नौतपा को साल के सबसे गर्म दिनों में माना जाता है। इस दौरान सूर्य की तपिश और लू का असर बढ़ जाता है। इस बार नौतपा से पहले ही कई राज्यों में गर्मी असहनीय हो चुकी है। ऐसे में आने वाले दिनों के लिए सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। नौतपा को केवल धार्मिक या परंपरागत दृष्टि से देखने के बजाय स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन के नजरिए से भी समझना चाहिए। प्रशासन को इस अवधि में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। अस्पतालों को तैयारी, पानी की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। बढ़ती गर्मी के कारण बिजली उपकरणों पर दवाव बढ़ता है, जिससे अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों में आग का खतरा भी बढ़ सकता है।

यहां आपको बता दें कि हाल ही में लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण शोध किया है, जो जलवायु परिवर्तन के बारे में हमारी समझ को और गहरा करता है। अर्थ फ्यूचर नामक पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में बताया गया है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे पर्माफ्रॉस्ट (जमी हुई मिट्टी) पिघल रही है। यह पिघलना केवल एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इससे वातावरण में खतरनाक गैसों का उत्सर्जन तेजी से बढ़ सकता है।

पर्माफ्रॉस्ट वह मिट्टी होती है जो कई वर्षों तक जमी रहती है। यह मुख्य रूप से आर्कटिक क्षेत्रों में पाई जाती है। इस मिट्टी के अंदर बहुत बड़ी मात्रा में कार्बन और अन्य गैसें फंसी रहती हैं। जब यह मिट्टी जमी रहती है, तब ये गैसें बाहर नहीं निकल पातीं। इसलिए पर्माफ्रॉस्ट को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच माना जाता है। गर्मी से बचाव के उपाय कठिन नहीं हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से अपनाना जरूरी है। लोगों को बार-बार पानी पीना चाहिए, भले ही प्यास न लगी हो। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने चाहिए। सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकना चाहिए। खाली पेट धूप में बाहर नहीं निकलना चाहिए। शराब, बहुत अधिक चाय-कॉफी और अत्यधिक तले-भुने भोजन से बचना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय पानी की बोतल जरूर रखनी चाहिए।

गंगा दशहरा जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व

डॉ. मोहन यादव

भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म में नदियों को मात्र जल स्रोत नहींए बल्कि देवी के रूप में पूजा जाता है। इनमें गंगा का स्थान सर्वोपरि है। गंगा दशहरा या गंगावतरण ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला प्रमुख त्यौहार है। इस दिन को गंगा दशहराए गंगा दशमी या दशहरा के नाम से जाना जाता है। यह पर्व गंगा नदी के पृथ्वी पर अवतरण की स्मृति में मनाया जाता है। दरअसलए गंगा दशहरा जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व है, गंगा यानी पवित्र-साफ जल के इसी महत्व को समझते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जल संरक्षण को एक राष्ट्रीय जन आंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने जल को विकास का प्रमुख पैरामीटर बनाते हुए हर घर जल और जल है तो कल है के संकल्प को साकार किया। उनके नेतृत्व में जल शक्ति मंत्रालय का गठन, जल जीवन मिशनए नमामी गंगे, अमृत सरोवर मिशन और जल शक्ति अभियान जैसी ऐतिहासिक पहल हुई, जिन्होंने देश की जल सुरक्षा को नई दिशा दी है। अमृत सरोवर योजना ने जल संरक्षण को नया आयाम दिया। प्रत्येक जिले में 75 जलाशयों के निर्माण या पुनरुद्धार का लक्ष्य रखा गया। अब तक 70 हजार से अधिक अमृत सरोवर तैयार हो चुके हैं। इनसे वर्षा जल संचयन, भूजल रिचार्ज और सिंचाई सुविधा बढ़ी है। यह मिशन आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा है और सामुदायिक भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। नमामी गंगे परियोजना, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटए नदी फ्रंट विकास और जैव विविधता संरक्षण के कार्य भी हो रहे हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाके तहत प्रति बूंद अधिक फसल का मंत्र दिया गयाए जिसमें ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला। कैच द रेन अभियान ने वर्षा जल संचयन को जन आंदोलन बनाया। प्रधानमंत्री ने बार-बार कहा कि पानी बचाना स्वच्छ भारत मिशन की तरह सामूहिक दायित्व है। उनके मार्गदर्शन में लाखों जल संरचनाएं बनीं, चेकडैम, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार हुआ।

इन प्रयासों का परिणाम साफ दिखता है। भूजल रिचार्ज बढ़ा है, ओवर-एक्सप्लॉइटेड इकाइयों की संख्या घटी है और कई जिलों में जल संकट कम हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का विजन केवल बुनियादी ढांचा निर्माण तक सीमित नहींए बल्कि जल संरक्षण को संस्कृति और आदत बनाने का है। वे बच्चों को वाटर वॉरियर्स बनाने और समाज को जिम्मेदार बनाने पर जोर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण भारत की विकास यात्रा का अभिन्न अंग बन गया है। ये प्रयास न केवल वर्तमान की जरूरतें पूरी कर रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल.समृद्ध भारत का आधार तैयार कर रहे हैं। जल संरक्षण अब मात्र नीति नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बन चुका है। मध्यप्रदेश भीए जिसे प्राकृतिक जल संसाधनों से समृद्ध माना जाता है, जल संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल कर रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान एक राज्य स्तरीय जन आंदोलन है। वर्ष 2025 में यह अभियान 19 मार्च से 30 जून तक चलाया गया। चालू वर्ष-2026 में भी यह अभियान पूरे जोर.शोर से चल रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन करना हैए ताकि प्रदेश जल संकट से मुक्त हो सके।अभियान के तहत नदियोंए तालाबोंए कुओंए बावड़ियोंए चेकडैम और अन्य जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, गहरीकरण, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। नए जल स्रोतों का निर्माणए वर्षा जल संचयनए भूजल रिचार्ज और पुरानी जल संरचनाओं का पुनरुद्धार अभियान के प्रमुख स्तंभ हैं। प्रदेश में 10 हजार से अधिक चेकडैम और स्टॉपडैम के संधारणए हजारों तालाबों के गहरीकरणए नई जल संरचनाओं का निर्माण और लगभग 2,500 करोड़ रुपये की लागत से बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, जनप्रतिनिधियों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। यहां की अर्थव्यवस्था और किसानों की समृद्धि जल पर निर्भर है। बढ़ती जनसंख्याए अनियमित वर्षाए भूजल स्तर में गिरावट और जल प्रदूषण ने जल संकट को गहरा दिया है। इस अभियान का महत्व इन्हीं चुनौतियों के समाधान में निहित है। अभियान से वर्षा जल का अधिकतम संचयन होता हैए जिससे सिंचाई सुविधा बढ़ती है। भूजल स्तर में वृद्धि से सूखाग्रस्त क्षेत्रों में भी फसल उत्पादन संभव होता है। खेत तालाबोंए रिज-टू-वैली मॉडल और जल संरक्षण संरचनाओं से किसानों की आय बढ़ रही है। मध्यप्रदेश में प्राचीन बावड़ियांए तालाब और जल संरचनाएं सांस्कृतिक धरोहर हैं। उनका जीर्णोद्धार सांस्कृतिक गौरव बढ़ाता है और पर्यटन को बढ़ावा देता है।अभियान जनभागीदारी पर आधारित है। पानी चौपाल जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को कम पानी वाली फसलेंए ड्रिप सिंचाई और आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। इससे जल संरक्षण की संस्कृति विकसित हो रही है। महिलाओं और युवाओं की भागीदारी से सामुदायिक जिम्मेदारी बढ़ रही है। इस अभियान से मध्यप्रदेश जल संरक्षण में देश का अग्रणी राज्य बन रहा है। अमृत सरोवरों के जल क्षेत्र में भारी वृद्धि, नदियों का पुनःप्रवाह और लाखों जल संरचनाओं का निर्माण राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यह अभियान केवल सरकारी प्रयास नहींए बल्कि सामूहिक संकल्प है। यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में यह जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने में सफल हो रहा है।यह मध्यप्रदेश के भविष्य की नींव है। यह हमें सिखाता है कि जल ही जीवन है और उसकी रक्षा हमारा दायित्व है। यदि हम आज जल स्रोतों का संरक्षण करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियां समृद्ध जल संसाधनों का उपयोग कर सकेंगी। प्रदेशवासियों को इस अभियान से जुड़कर जल संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। स्वच्छ, समृद्ध और जल-सम्पन्न मध्यप्रदेश का सपना तभी साकार होगा जब हर नागरिक इसमें अपना योगदान देगा।

आरएसएस-भाजपा और अमेरिका की दासता की ओर बढ़ता भारत

स्वतंत्रता के बाद भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित थी और वह शीत युद्ध के दोनों प्रमुख पात्रों - अमेरिका और सोवियत संघ - में से किसी के सामने नहीं झुकता था। पाकिस्तान शुरू से ही अमेरिका के इशारों पर नाचता रहा और वहां लोकतंत्र का गला घोंटकर मुस्लिम साम्प्रदायिक राजनीति का बोलबाला स्थापित होने में अमेरिकी राजदूत, मुल्लाओं और सेना की भूमिका सबके सामने साफ थी। आज भी इस्लाम के नाम पर वहां कट्टरपंथियों का बोलबाला है और सेना बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

राम पुनियानी

वहां एक के बाद एक सेना के जनरल सत्ता पर काबिज रहे या राजनैतिक मामलों में उनका जबरदस्त हस्तक्षेप रहा। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर को भोज का आमंत्रण दिए जाने से पाकिस्तान के हालात क्या हैं, यह अच्छे से समझा जा सकता है। वैसे पाकिस्तान की विदेश नीति के अन्य पक्ष भी हैं, लेकिन उसका अमेरिका की ओर झुकाव एकदम स्पष्ट रहा है। मजाक में यह कहा जाता था कि पाकिस्तान पर तीन 'ए' का राज है - अल्लाह, अमेरिकी राजदूत और आर्मी। यह कथन संभवतः अतिशयोक्तिपूर्ण हो लेकिन यह साफ है कि जब समाज में धर्म के नाम पर की जाने वाली राजनीति का बोलबाला हो जाता है, तब वैसे ही हालात बन जाते हैं जैसे हमारे पड़ोसी मुल्क में हैं।

भारत किसी भी महाशक्ति के सामने न झुकने की राह पर चला और विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग से बहुआयामी विकास करते हुए उसने तकनीकी, औद्योगिक और शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की हासिल की। इसका एक उदाहरण है वे पांच आईआईटी, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग बड़े देशों की मदद से बनाए गए थे। भारत महाशक्तियों दबाव के सामने नहीं झुका, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण बांग्लादेश की स्थापना के पहले की घटनाएं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने भारत से कहा कि वह पूर्वी पाकिस्तान के घटनाक्रम में हस्तक्षेप न करे। उस समय पाकिस्तान की सेना वहां कहर ढ़ा रही थी, जिसके नतीजे में बहुत बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत आ रहे थे। इंदिरा गांधी ने निर्भीकता का परिचय देते हुए न केवल निक्सन की सलाह मानने से इंकार कर दिया बल्कि सोवियत संघ के साथ 'मैत्री संधि' कर ली और बंगाल में अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े की मौजूदगी के बावजूद भारतीय सेना ने वहां हस्तक्षेप किया और मुक्ति वाहिनी की पूर्वी पाकिस्तान को पश्चिमी पाकिस्तान के चंगुल से मुक्त कराने में मदद की, जो पूर्वी पाकिस्तान में तरह-तरह की ज्यादतियां कर रहा था। यहां तक कि पाकिस्तान की राष्ट्रभाषा उर्दू को पूर्वी पाकिस्तान पर लादने का प्रयास किया जा रहा था। बांग्लाभाषी पूर्वी पाकिस्तान ने बगावत कर दी। भारत ने अमेरिकी धमकियों की परवाह न करते हुए पूर्वी पाकिस्तान की जनता को मुक्ति दिलवाई।

लेकिन 2014 के बाद से भारत की विदेश नीति में धीरे-धीरे बदलाव होता गया और उस पर अमेरिका का प्रभुत्व कायम होता गया। भारत, इजराइल के साथ प्रगाढ़ संबंध स्थापित कर रहा है। सत्ता पर काबिज दल की नीतियों के अनुरूप ईरान और फिलीस्तीन से हमारे परंपरागत रिश्तों को कुर्बान कर दिया गया है। आपरेशन सिंदूर में भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच टकराव हुआ। जहां भारत ने दावा किया कि युद्धविराम पाकिस्तान के अनुरोध और दोनों देशों के बीच हुई वार्ताओं की वजह से हुआ, वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार यह शेखी बघारी कि उनके प्रशासन से आर्थिक मामलों में नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर दोनों देशों के बीच युद्धविराम करवाया।

अब तक भारत में पाकिस्तान को देश का दुश्मन नंबर 1 बताया जाता रहा है। दोनों देशों के नागरिकों के बीच इंडो-पाक फोरम व अमन की आशा जैसी महत्वपूर्ण पहलों के जरिए संपर्क-संबंध स्थापित करने के प्रयास होते रहे हैं। अमन की आश अभियान की शुरूआत भारत के टाईम्स ऑफ़ इंडिया एवं पाकिस्तान के अग्रणी समाचारपत्र जंग ने की थी। निःसंदेह दोनों देशों की सरकारें एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाती रही हैं। कश्मीर हमेशा से दोनों देशों के बीच एक मुद्दा रहा है। कश्मीरियों को एक ओर पाकिस्तान से आने वाले उग्रवादियों और आतंकियों से मुकाबला करना पड़ा तो दूसरी ओर नागरिक इलाकों में भारतीय सेना की भारी मौजूदगी ने उनका जीवन हराम कर दिया।

अब ऐसा लगता है कि आरएसएस-भाजपा का पाकिस्तान के प्रति रूख बदल रहा है। आरएसएस के दूसरे सबसे बड़े नेता सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबोले ने हाल में कहा है कि दोनों देशों के बीच बातचीत के दरवाजे हमेशा खुले रहने चाहिए। संघ परिवार लगातार कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है और नेहरू को कश्मीर की स्थिति के लिए दोषी ठहराता रहा है। इस बीच कश्मीर में अफरातफरी जारी रही। अटलबिहारी वाजपेयी ने दोनों देशों के बीच विवाद को सुलझाने के प्रयास में लाहौर तक बस यात्रा की। इसके बाद पाकिस्तान के तानाशाह परवेज मुशर्रफ भारत पहुंचे। लेकिन इसके बावजूद भी गतिरोध बना रहा। इस सबके बीच होसबोले का वक्तव्य हवा के एक ताजे झोंके की तरह है। आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत पाकिस्तान और भारत के रिश्तों को अखंड भारत की संकल्पना से जोडते रहे है। भाजपा सरकार ने सार्क को बढ़ावा देने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया। सार्क दक्षिण एशियाई देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में एक शानदार कदम था।

होसबोले का दावा है कि संघ की नीति हमेशा से यही रही है, हालांकि सच यह है कि बातचीत के द्वार खुले रखने की बात एकदम नई है। होसबोले ने यह वक्तव्य अपनी हालिया अमरीका यात्रा के बाद जारी किया है मगर कई लोगों को संदेह है कि उन्होंने अमेरिका के दबाव में ऐसा कहा है। इस दावे की सच्चाई का पता लगाना मुश्किल है मगर इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत अमेरिका को अपना आका मान चुका है। अमेरिका ने जब भारत पर आयात शुल्क 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया और उसे फिर 18 प्रतिशत तक घटा दिया तब भारत ने इसका कोई विरोध नहीं किया। भारत ने बिना ना-नुकुर के अमेरिका के इस निर्देश का भी पालन किया कि वह रूस से कच्चा तेल न खरीदे।

इसकी दुबारा पुष्टि राम माधव के उस वक्तव्य से हुई जिससे वे बाद में पीछे हट गए। वे आरएसएस-भाजपा के प्रमुख नेता हैं। वाशिंगटन में हडसन इंस्टीट्यूट में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत टैरिफ बढ़ाने और रूस से तेल न खरीदने जैसे अमेरिका के फैसलों और मांगों के सामने झुका। इसके बाद उन्होंने कहा कि ''भारत ने अमेरिका के साथ सहयोग करने के लिए आखिर क्या नहीं किया''। जब उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा तो उन्होंने अपना यह वक्तव्य वापिस ले लिया मगर पोल तो खुल चुकी थी।

आरएसएस हमेशा से अमेरिका का पिछलग्गू रहा है। यहां तक कि उसने अमेरिका के वियतनाम पर हमले का भी समर्थन किया था। संघ की राजनैतिक शाखा भारतीय जनसंघ सहकारिता और सार्वजनिक क्षेत्र के उस मॉडल के खिलाफ थे जिसकी मदद से भारत का औद्योगिकरण हुआ। पाकिस्तान हर चीज में अमेरिका की मदद के प्रति इतना आश्वस्त था कि उसने अपनी औद्योगिक, शैक्षणिक और शोध अधोसंरचना विकसित ही नहीं की। भारत की वर्तमान सरकार का फोकस पहचान से जुड़े मुद्दों, गाय-बीफ आदि पर है। वह डार्विन के सिद्धांत को खारिज करती है और मेंडलीफ की आवर्त सारणी को विज्ञान के पाठ्यक्रम से बाहर कर दिया गया है। यह सरकार धीरेन्द्र शास्त्री जैसे बाबाओं की गिरफ्त में है और अंधश्रद्धा को बढ़ावा दे रही है। इसके साथ ही वह अमेरिका की पिछलग्गू भी बनी हुई है।

जंगल में लगा शराब की खाली बोतलों का अंबार

सोहागपुर में रिसॉर्ट्स के करीब लगा ढेर वन्यजीवों और जंगल पर मंडरा रहा खतरा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के सोहागपुर वन क्षेत्र के घने जंगलों में शराब की खाली बोतलों बीयर कैन और प्लास्टिक कचरे का बड़ा अंबार लगा हुआ है रैनीपानी से मंगरिया के बीच मुख्य सड़क से महज 50 कदम की दूरी पर यह कचरा फेंका जा रहा है हैरानी की बात यह है कि इस क्षेत्र के 15 किमी के दायरे में कोई ढाबा होटल या शराब की दुकान नहीं है बल्कि केवल रसूखदारों के महंगे और लग्जरी रिसॉर्ट्स स्थित हैं। यह कचरा वन्यजीवों और जंगल के पूरे इको-सिस्टम के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है करीब 2000 स्क्वायर फीट के क्षेत्र में शराब और बीयर की खाली बोतलों के 3 से 4 बड़े ढेर लगे हुए हैं। इसे देखकर साफ पता चलता है कि यह कचरा लंबे समय से यहां फेंका जा रहा है लेकिन वन विभाग इस पूरे मामले से बेखबर है मंगरिया पंचायत के स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग गश्त नहीं करता और इस ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहा है।

एसटीआर बफर जोन से सटा है इलाका: जिस जगह पर यह कचरा डंप किया जा रहा है, वह सामान्य वन मंडल क्षेत्र में आता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इससे कुछ किलोमीटर की दूरी पर ही सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का बफर क्षेत्र शुरू हो जाता है। इस इलाके में अक्सर टाइगर, तेंदुआ, सांभर और हिरण जैसे कई वन्य प्राणी विचरण करते देखे जाते हैं।

वन्यजीवों की जान और जंगल में आग का खतरा: सूखे पत्तों के बीच पड़ी ये कांच की टूटी बोतलें और टिन के कैन वन्य प्राणियों के पैरों में चुभ सकते हैं। प्लास्टिक खाने से उनकी मौत भी हो सकती है। इसके अलावा, भीषण गर्मी में सूखे पत्तों पर पड़ी कांच की बोतलें लेंस का काम करती हैं, जिससे जंगल में आग लगने (दावानल) का खतरा काफी बढ़ जाता है। बारिश होने पर यही कचरा बहकर नदी-नालों में जाएगा और वन्यजीवों का पीने का पानी भी दूषित करेगा।

रेंजर बोले- मुझे जानकारी नहीं, कार्रवाई करेंगे : सोहागपुर रेंजर सुमित पांडे ने इस मामले पर अनभिज्ञता जताते हुए कहा आपके माध्यम से मामला मेरे संज्ञान में आया है मैं स्टाफ भेजकर इसे दिखवाता हूं जंगल में शराब और बीयर की खाली बोतलें किसने फेंकी है इसकी जानकारी जुटाई जाएगी और कचरा फेंकने वाले के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा जंगल में कचरा फेंकना वन्य प्राणी और जंगल दोनों के लिए खतरा है बता दें कि वन संरक्षण अधिनियम के तहत आरक्षित वन क्षेत्र में कचरा फेंकने पर जुर्माने और सजा का स्पष्ट प्रावधान है।

खेत के रास्ते के विवाद में चली गोलियां, पिता-बेटे को जान से मारने की धमकी दी कट्टे से हवाई फायर किए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के सीहोर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते हवाई फायरिंग की घटना सामने आई है यह विवाद खेत के रास्ते और रेत खदान के संचालन को लेकर बताया जा रहा है दोनों पक्ष एक ही परिवार के सदस्य हैं ग्राम सीहोर निवासी जितेंद्र पुत्र औतार सिंह गुर्जर ने बताया कि करीब दो महीने पहले खेत के रास्ते से निकलने को लेकर परिवार के ही प्रशांत गुर्जर से उनका विवाद हुआ था। तभी से दोनों पक्षों के बीच रंजिश चल रही थी घर के बाहर बैठे थे पिता-पुत्र तभी आरोपी पहुंचे जितेंद्र के अनुसार 23 मई 2026 की रात करीब 10 बजे वह अपने पिता औतार सिंह गुर्जर के साथ घर के बाहर खटिया पर बैठे थे। इसी दौरान प्रशांत गुर्जर अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा जब जितेंद्र ने इसका विरोध किया तो प्रशांत गुर्जर ने कट्टे से कई हवाई फायर किए परिजनों को आता देख मौके से भागे आरोपी घटना के दौरान परिवार के अन्य सदस्य बाबा जगजोर सिंह गुर्जर और उदयभान गुर्जर भी मौके पर पहुंच गए उन्हें आता देख आरोपी पक्ष जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया ग्रामीणों के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच रेत खदान के संचालन को लेकर भी लंबे समय से विवाद चल रहा था, जिससे तनाव लगातार बढ़ रहा था पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच सीहोर थाना पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 296(ए), 125, 351(3) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोनी थाने में कबाड़ कारोबारी की खातिरदारी

कुर्सी पर बैठाकर चाय पिलाने की वीडीयो -तस्वीरें वायरल, प्रधान आरक्षक और आरक्षक लाइन अटैच

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर के कोनी थाने में भीतर कबाड़ माफिया को कुर्सी पर बैठाकर चाय पिलाने की तस्वीरें वायरल हो रही है, जबकि दो पुलिसकर्मी उसके सामने बैठे नजर आ रहे हैं। तस्वीर सामने आने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली और अवैध कारोबारियों से कथित संबंधों को लेकर सवाल उठने लगे अब एसएसपी ने इसे लापरवाही मानते हुए प्रधान आरक्षक बालेश्वर तिवारी और आरक्षक अनुज जांगड़े को लाइन अटैच कर दिया है। जिसका आदेश जारी कर दिया गया है बताया जा रहा है कि, फोटो में दिखाई दे रहा व्यक्ति अकबर खान है, जो कोनी थाना क्षेत्र में अवतार पैलेस के सामने अवैध कबाड़ दुकान संचालित करता है चर्चा है कि हाल ही में पुलिस ने उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 170 के तहत कार्रवाई की थी थाने पहुंचने के बाद उसे कथित तौर पर वीआईपी ट्रीटमेंट दिए जाने की तस्वीरें वायरल हो गई जानकारी के मुताबिक, दो दिन पहले ही बिलासपुर पुलिस के एसपी ने शहर में अवैध कबाड़ कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद कोनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अकबर खान को थाने बुलाया था वायरल तस्वीर में प्रधान आरक्षक बालेश्वर तिवारी और आरक्षक अनुज जांगड़े के मौजूद रहे इस मामले में पंकज पटेल ने कहा कि, कबाड़ कारोबारी को केवल दस्तावेजों की जांच के लिए थाने बुलाया गया था। उन्होंने बताया कि संबंधित दुकान को सील कर दिया गया है और नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

अवैध शराब बिक्री का विरोध, खोड़ चौकी पहुंचीं आदिवासी महिलाए

बोलीं- एक साल से बस्ती में बिक रही, कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के भौंती थाना क्षेत्र की खोड़ चौकी अंतर्गत आदिवासी महिलाओं ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ आवाज उठाई है रविवार को बड़ी संख्या में महिलाएं खोड़ पुलिस चौकी पहुंचीं और लिखित आवेदन देकर आदिवासी बस्ती में लंबे समय से चल रही अवैध शराब बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की महिलाओं ने आरोप लगाया कि खोड़ आदिवासी बस्ती में भगवत आदिवासी नाम का व्यक्ति पिछले लगभग एक वर्ष से अवैध रूप से कच्ची शराब बेच रहा है। उनके अनुसार, इस अवैध कारोबार के कारण क्षेत्र का माहौल लगातार बिगड़ रहा है और आए दिन विवाद की स्थिति बन रही है पीड़ित महिलाओं ने बताया कि शराब पीने के बाद धनीराम, बल्लू, रामकुमार, रामचरण और बालकिशन सहित कई लोग गाली-गलौज और मारपीट करते हैं। इससे परिवारों में अशांति बढ़ गई है और महिलाओं व बच्चों में भय का माहौल बना हुआ है बोलीं- शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं महिलाओं का कहना है कि शराबखोरी के कारण घरों में अशांति बढ़ गई है और कई बार समझाने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले की शिकायत पहले भी दो बार खोड़ पुलिस चौकी में की जा चुकी है लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई खोड़ चौकी प्रभारी कुसुम गोयल ने बताया कि जल्द ही कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा वहीं महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगी।

बिलासपुर को मिली फोरेंसिक वैन, जांच में आएगी तेजी अपराधों की जांच होगी आसान

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर पुलिस को शनिवार को एक नई फोरेंसिक वैन सौंपी गई यह वैन फोरेंसिक टीम सीन ऑफ क्राइम यूनिट और क्षेत्रीय विज्ञान प्रयोगशाला बिलासपुर को मिली है केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और अन्य जनप्रतिनिधियों ने इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आरोपियों को कड़ी सजा मिले और पीड़ितों को न्याय मिले। इसी लक्ष्य के साथ पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली और क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक उपकरण व संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं बलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि विधायक दल और सरकार की बैठकों में पुलिस प्रशासन को मजबूत करने पर जोर दिया जाता है, ताकि जनता को न्याय मिल सके और अपराधियों को कठोर दंड दिया जा सके इस फोरेंसिक वैन की उपलब्धता से अपराध स्थलों से महत्वपूर्ण भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य संकलित करना आसान हो जाएगा। घटनास्थल पर तत्काल पहुंचकर त्वरित कार्रवाई करने से साक्ष्य नष्ट होने की समस्या से भी बचा जा सकेगा, जिससे जांच में तेजी आएगी।

महिला जेल प्रहरी को घर का पता पूछकर धमकाया : नर्मदापुरम केंद्रीय जेल में बंदी से मिलने आए बदमाश की अभद्रता, केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम केंद्रीय जेल में एक बदमाश द्वारा महिला जेल प्रहरी को धमकाने और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने बंदी से मुलाकात के लिए आवश्यक दस्तावेज मांगने पर प्रहरी से बदसलूकी की और उसके घर का पता पूछकर उसे धमकी दी इस मामले में जेल प्रबंधन की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने घटना के दो दिन बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है जानकारी के अनुसार 22 मई की सुबह करीब 11 बजे महिला जेल प्रहरी खंड 'अ' के मुलाकात कक्ष में ड्यूटी पर तैनात थी इसी दौरान ग्वालटोली निवासी सूरज कुचबन्दिया (पिता राजू) एक परिचित को लेकर जेल में बंद किसी कैदी से मुलाकात करने पहुंचा था जब ड्यूटी पर मौजूद जेल प्रहरी ने उससे नियम के अनुसार आवश्यक दस्तावेज और आधार कार्ड मांगे तो वह भड़क गया आधार कार्ड की जगह पूछने लगा घर का पता आरोपी सूरज ने आधार कार्ड दिखाने के बजाय महिला प्रहरी को धमकाना शुरू कर दिया। उसने धमकी भरे लहजे में प्रहरी से पूछा, तुम रहती कहां हो' और उसके घर का पता पूछने लगा जब जेल प्रहरी ने उसे सीधे तरीके से जवाब देने को कहा तो आरोपी ने उसके साथ अभद्रता शुरू कर दी जिससे जेल के शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न हुई आदतन अपराधी है आरोपी तलाश में जुटी पुलिस कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर ने बताया कि जेल प्रबंधन की शिकायत पर आरोपी सूरज कुचबन्दिया के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने और अभद्रता करने का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सूरज एक आदतन अपराधी है उस पर पहले से ही आबकारी एक्ट की धारा 34 (2) समेत कई अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह पूर्व में भी जेल जा चुका है। फिलहाल वह दो दिन से फरार है और पुलिस उसकी सरगर्मी से तलाश कर रही है।

मनेंद्रगढ़ में भीषण गर्मी का प्रकोप तापमान 42 डिग्री पार पहुंचा, स्वास्थ्य विभाग ने घरों में रहने की सलाह दी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने के बाद जनजीवन प्रभावित हुआ है दोपहर के समय शहर में सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है जिससे बाजार और प्रमुख चौक सूने दिखाई दे रहे हैं मौसम विभाग ने हीट वेव अलर्ट जारी किया है जिसके बाद लोगों ने घरों में रहना शुरू कर दिया है तेज गर्म हवाओं और चिलचिलाती धूप के कारण दोपहर में सड़कों पर आवाजाही बेहद कम हो गई है लोग केवल जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं स्वास्थ्य विभाग ने भी भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर स्वप्निल तिवारी ने बताया कि अत्यधिक गर्मी और लू से बचने के लिए बिना जरूरत घरों से बाहर न निकलें बच्चों बुजुर्गों और मरीजों को विशेष सावधानी की सलाह उन्होंने विशेष रूप से बच्चों बुजुर्गों और बीमार लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया डॉ. तिवारी ने पर्याप्त मात्रा में पानी पीने हल्के और सूती कपड़े पहनने तथा धूप में निकलने के दौरान सिर को ढंककर रखने की सलाह दी ओआरएस और तरल पदार्थों के सेवन की अपील शरीर में पानी की कमी से बचने के लिए ओआरएस घोल और अन्य तरल पदार्थों का अधिक सेवन करने की अपील की गई है स्वास्थ्य विभाग ने यह भी कहा है कि यदि चक्कर आना उल्टी तेज बुखार कमजोरी या सांस लेने में परेशानी जैसी स्थिति हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें लगातार बढ़ती गर्मी ने लोगों की दिनचर्या पर असर डाला है आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है।

टायर बदलते समय जैक खिसका, ट्रक ड्राइवर की मौत सरकारी गेहूं से भरा था वाहन, वेयरहाउस के पास हादसा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के अमोला थाना क्षेत्र के सिरसौद गांव के पास शनिवार को एक ट्रक चालक की मौत हो गई। वह सरकारी गेहूं से भरे ट्रक का टायर बदल रहा था तभी जैक खिसकने से ट्रक आगे बढ़ गया और चालक उसके नीचे दब गया गंभीर रूप से घायल चालक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया जानकारी के अनुसार, सरकारी गेहूं से भरा ट्रक सिरसौद स्थित वेयरहाउस पहुंचा था। इसी दौरान ट्रक के टायर में खराबी आ गई। चालक सुरेंद्र पाल (निवासी गजऊआ, थाना बैराड़) टायर बदलने का काम कर रहा था।

जैक खिसकने से हुआ हादसा: ट्रक स्टाफ के सदस्य भगवान सिंह पाल ने बताया कि सुरेंद्र पाल जैक लगाकर टायर में हवा भर रहा था। इसी दौरान ट्रक अचानक आगे की ओर सरक गया और सुरेंद्र पाल उसके नीचे फंस गया। बताया जा रहा है कि टायर के नीचे सुरक्षा के लिए कोई ओट (सपोर्ट) नहीं लगाई गई थी, जिसके कारण ट्रक आगे बढ़ गया।

अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम: हादसे के बाद घायल चालक को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले जाया जा रहा था हालांकि शिवपुरी शहर पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया जिला अस्पताल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है।

नियम तोड़ने वाले 10 बस संचालकों पर जुर्माना : इमरजेंसी गेट की जगह लगाई सीट, बिना परमिट संचालित बस जब्त

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में लगातार हो रहे बस हादसों को देखते हुए आरटीओ विभाग अलर्ट मोड पर है यात्री बसों में सुरक्षा मानकों की जांच के लिए रविवार को संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड ने इटारसी रोड स्थित पवारखेड़ा पुलिया के पास विशेष चेकिंग अभियान चलाया आरटीओ प्रमोद कापसे और परिवहन उपनिरीक्षक शिवानी मुकाती के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में 40 यात्री बसों की जांच की गई इस दौरान बिना परमिट संचालित एक बस को जब्त किया गया।

इमरजेंसी खिड़की की जगह लगाई सीट: चेकिंग के दौरान कई बसों में गंभीर लापरवाही सामने आई। एक बस में इमरजेंसी खिड़की की जगह सीट लगी मिली। इस पर परिवहन उपनिरीक्षक शिवानी मुकाती ने बस चालक और कंडक्टर को फटकार लगाई उन्होंने कहा कि इमरजेंसी गेट यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी होता है वहां सीट लगाना नियमों का उल्लंघन है।

कई बसों में एक्सपायर मिले अग्निशामक: जांच में कुछ बसों में अग्निशामक यंत्र तो मिले लेकिन उनकी वैधता समाप्त हो चुकी थी वहीं 8 बसों में अग्निशामक यंत्र मौजूद ही नहीं थे इसके अलावा कई बसों में मेडिकल बॉक्स और पैनिक बटन भी नहीं मिले। अधिकारियों ने संबंधित वाहन संचालकों को सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए।

25 हजार से ज्यादा की चालानी कार्रवाई: अभियान के दौरान बसों के दस्तावेजों की भी जांच की गई। अब तक 40 से अधिक बसों की जांच कर 10 से ज्यादा वाहनों पर 25 हजार रुपए से अधिक की चालानी कार्रवाई की जा चुकी है आरटीओ प्रमोद कापसे ने बताया कि 21 से 27 मई तक प्रदेश स्तर पर यात्री बसों की विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है इसका उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाना है।

10 फीट गहरे गड्ढे में फंसे सांड का रेस्क्यू दो दिन तक फंसा रहा, नगर परिषद की संयुक्त टीम ने निकाला

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलारस कस्बे में एक सांड को पानी की टंकी से सुरक्षित बाहर निकाला गया यह सांड दो दिनों से करीब 10 फीट गहरे गड्ढे में फंसा हुआ था। शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और नगर परिषद की संयुक्त टीम ने इसका रेस्क्यू किया नवीन सब्जी मंडी क्षेत्र स्थित आईटीआई कॉलेज के पास बनी पानी की टंकी में सांड फंसा हुआ था स्थानीय लोगों ने बताया कि सांड पिछले दो दिनों से गड्ढे में था जिसके बाद इसकी सूचना संबंधित विभागों को दी गई सूचना मिलने पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे उन्होंने नगर परिषद के कर्मचारियों के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

पंख कार्यक्रम के तहत स्वैच्छिक संगठनों की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

जल गंगा संवर्धन अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान, 55 संस्थाओं ने की सहभागिता

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। म.प्र. जन अभियान परिषद जिला विदिशा के तत्वावधान में दृष्टि योजना अंतर्गत 'पंख कार्यक्रम' के तहत स्वैच्छिक संगठनों की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन गत दिवस जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया गया था। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओपी सनोडिया ने की जिले में कार्यरत 55 स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

बैठक की शुरुआत जिला समन्वयक पूजा बंधैया द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए की गई। उन्होंने म.प्र. जन अभियान परिषद की विभिन्न योजनाओं एवं अब तक किए गए कार्यों का पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विवरण दिया। साथ ही आगामी त्रैमासिक कार्ययोजना की जानकारी अधिकारियों एवं उपस्थित स्वैच्छिक संगठनों को दी गई।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा कहा कि स्वैच्छिक संगठन शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने नशामुक्ति अभियान, घुमंतू सर्वे कार्य को समय पर पूर्ण करने तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रशासन एवं स्वैच्छिक संगठन मिलकर जल संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक करें, ताकि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सके। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि 25 मई को पूरे जिले में वृहद स्तर पर जल यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। सभी स्वैच्छिक संगठनों से अपने-अपने क्षेत्रों में जल यात्राएं निकालकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने का आग्रह किया गया। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग से उपस्थित श्री संजय सिंह ने महिलाओं से संबंधित योजनाओं, लाभ एवं सुविधाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं को बचत एवं आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक दीपक बाथम, सरिता पाठक, चरण सिंह दांगी, भीकम सिंह दांगी, स्वदेश आचार्य एवं आशीष कुमार जैन सहित शिक्षा विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, लीड बैंक, महिला एवं बाल विकास विभाग, एसआरएलएम तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी एवं उनसे जुड़ी स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने योजनाओं से संबंधित जानकारी साझा की, वहीं स्वैच्छिक संगठनों द्वारा उनके कार्यों का प्रस्तुतीकरण भी किया गया।

रायसेन में प्रेसीडेंसी कॉलेज में घुसा आठ फीट लंबा सांप : बिना सुरक्षा उपकरण पहुंचे सर्प मित्र

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन शहर के प्रेसीडेंसी कॉलेज में शनिवार को आठ फीट लंबा धमना प्रजाति का सांप घुस गया। कॉलेज परिसर में सांप दिखने के बाद लोगों ने तुरंत सर्प मित्र कैलाश गोंड को सूचना दी। गोपालपुर निवासी कैलाश गोंड बिना किसी सुरक्षा उपकरण के मौके पर पहुंचे और सांप का सफल रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के दौरान कैलाश गोंड ने पाया कि सांप पहले से घायल था। इसके बाद वे उसे तत्काल पशु चिकित्सालय ले गए, जहां डॉक्टरों की टीम ने उसका उपचार किया। इलाज के उपरांत सांप को सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया गया। कैलाश गोंड लंबे समय से रायसेन नगर में सांपों का रेस्क्यू कर रहे हैं। शहर में किसी भी घर, मोहल्ले, कार्यालय या संस्थान में सांप निकलने पर लोग सबसे पहले कैलाश को ही बुलाते हैं। वे अब तक हजारों सांपों को बचा चुके हैं और कई लोगों की जान बचाने में मदद की है। कैलाश गोंड का कहना है कि वे अपनी जान जोखिम में डालकर लगातार यह कार्य कर रहे हैं। हालांकि, उन्हें शासन, प्रशासन या नगर पालिका की ओर से किसी प्रकार की आर्थिक सहायता या मानदेय प्राप्त नहीं होता। उन्होंने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है, फिर भी वे लोगों की सुरक्षा के लिए हर सूचना पर तत्काल पहुंचते हैं।

देसी पिस्टल लेकर घूम रहा 59 वर्षीय बदमाश गिरफ्तार

सागर पुलिस ने पीछा कर दबोचा, 1 जिंदा कारतूस भी बरामद

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की मोतीनगर थाना पुलिस ने शनिवार को देसी पिस्टल लेकर घूम रहे 59 वर्षीय एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। आशंका है कि वह किसी वारदात को अंजाम देने की नीयत से इलाके में घूम रहा था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर हथियार के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि न्यू भोपाल बस स्टैंड के पीछे भोपाल रोड स्थित भगतसिंह वार्ड क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर घूम रहा है और संभवतः किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। पुलिस को देखते ही आरोपी वहां से भागने लगा, लेकिन टीम में शामिल आरक्षकों ने पीछा कर उसे धरदबोचा।

कमर में खोंसी थी पिस्टल, जेब में रखा था कारतूस: पकड़े जाने के बाद पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोहन (उर्फ बबलू, पिता बृजलाल साहू, उम्र 59 वर्ष, निवासी राजीवनगर वार्ड) बताया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली, तो उसकी कमर में खोंसी हुई एक देसी मैगजीन युक्त पिस्टल बरामद हुई। इसके अलावा, उसकी पैंट की जेब से एक जिंदा कारतूस भी मिला, जिसे पुलिस ने तत्काल जब्त कर लिया।

आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज, पूछताछ जारी: मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर थाने लाया गया है।

आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है कि उसने यह अवैध पिस्टल कहां से और किससे खरीदी थी, तथा वह किस वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहा था।

ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम 1 से 12 जून तक होगी अग्निवीर भर्ती की ऑनलाइन परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए 'ज्वाइन इंडियन आर्मी' की वेबसाइट पर पंजीकृत अभ्यर्थियों की ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) 1 जून से 12 जून 2026 तक भोपाल के दो परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। विभिन्न श्रेणियों के लिए यह परीक्षा प्रतिदिन चार शिफ्टों में होगी। इस वर्ष से अग्निवीर क्लर्क और स्टोर कीपर (टेक्निकल) के पदों पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का टाइपिंग टेस्ट भी ऑनलाइन परीक्षा केंद्र पर ही लिया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए एडमिट कार्ड 15 मई 2026 से भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट (www.joinindianarmy.nic.in) पर उपलब्ध करा दिए गए हैं, जहां से अभ्यर्थी इन्हें डाउनलोड कर सकते हैं। सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ऑनलाइन परीक्षा (सीईई) के लिए भोपाल में दो केंद्र बनाए गए हैं। पहला केंद्र आईओएन डिजिटल जोन (आईडीजेड) प्रेस्टीज श्री जयराम एजुकेशन सोसायटी, कोकता बायपास, रायसेन रोड और दूसरा केंद्र आईओएन डिजिटल जोन (आईडीजेड) आरजीपीएम, सांखेड़ी, दानिश कुंज, कोलार रोड पर स्थित है।सभी अभ्यर्थियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एडमिट कार्ड का प्रिंटआउट अनिवार्य रूप से अपने साथ लाएं। साथ ही एडमिट कार्ड पर दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करें और निर्धारित समय पर अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचें। भारतीय सेना में चयन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है और चयन केवल योग्यता (मेरिट) के आधार पर किया जाता है।

अवैध शराब भट्टी से 2800 लीटर महुआ लहान नष्ट, भीलगांव में नाला किनारे चल रहा था कारोबार

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के भीलगांव में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आबादी और नाला क्षेत्र में दबिश के दौरान एक शराब भट्ठी का भंडाफोड़ हुआ। पुलिस ने मौके से 145 लीटर कच्ची शराब जब्त की है। कार्रवाई में 200 लीटर क्षमता वाले 14 ड्रमों में रखा लगभग 2800 लीटर महुआ लहान भी नष्ट किया गया। जब्त की गई अवैध शराब और नष्ट किए गए महुआ लहान की कुल अनुमानित कीमत लगभग 50 हजार रुपए बताई गई है। शराब बनाने में उपयोग होने वाले कई संसाधन भी मौके पर ही नष्ट कर दिए गए। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शनिवार को यह कार्रवाई की। टीम ने संदेही रवि रुखड़िया के घर से 60 लीटर कच्ची शराब बरामद की। इसके अलावा, पड़ोसी अनिल मांगीलाल और गणेश वानखेड़े के घरों पर भी घेराबंदी कर दबिश दी गई।

शिक्षा संबल परीक्षा में विदिशा के दो विद्यार्थियों का चयन

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन एवं विशेष प्रयासों से विदिशा जिले में आयोजित 'शिक्षा संबल' परीक्षा में जिले के दो विद्यार्थियों – मनु तिवारी एवं सुमित कुमार बैरागी – का चयन हुआ है। दोनों विद्यार्थी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, विदिशा के छात्र हैं। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन एवं प्रतिभा के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर की पहल एवं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप इस महत्वपूर्ण परीक्षा का आयोजन विदिशा जिले में संभव हो सका। जिले में परीक्षा केंद्र स्थापित होने से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने ही जिले में परीक्षा देने का अवसर प्राप्त हुआ, जिससे अधिक संख्या में विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ मिला। 'शिक्षा संबल' योजना एल.एन. माहेश्वरी परमार्थ न्यास एवं एलन करियर इंस्टीट्यूट द्वारा संचालित एक विशेष पहल है।

रायसेन में नाला खुदाई से फिर फूटी पाइपलाइन

आधे शहर की जल सप्लाई बाधित, मरम्मत के बाद बिजली कटौती से भी परेशानी

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन शहर में चल रहे नाला निर्माण कार्य के दौरान बार-बार पानी की लाइन फूटने की समस्या सामने आ रही है। शनिवार देर शाम महामाया चौक पर पाइपलाइन फिर फूट गई, जिससे शहर की जलापूर्ति प्रभावित हो गई। सूचना मिलने पर नगर पालिका के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और रातभर मरम्मत कार्य कर लाइन को दुरुस्त किया।

मरम्मत के बाद रविवार सुबह जैसे ही शहर में पानी की आपूर्ति शुरू की गई, उसी दौरान बिजली विभाग के मेंटेनेंस कार्य के कारण विद्युत आपूर्ति बंद हो गई। इसके चलते आधे शहर में जलापूर्ति दोबारा बाधित हो गई, जिससे नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

चार दिनों में कई बार टूट चुकी है पाइपलाइन: जानकारी के अनुसार, पिछले चार दिनों में नाला निर्माण की खुदाई के दौरान कई बार पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो चुकी है। नगर पालिका द्वारा खुदाई के लिए चिह्नित स्थान के बजाय ठेकेदार द्वारा दूसरी जगह खुदाई किए जाने के कारण जमीन के नीचे बिछी पाइपलाइन बार-बार टूट रही है।

ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल: शहरवासियों को लगातार जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। बार-बार पाइपलाइन टूटने से ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

इस संबंध में बिजली विभाग ने बताया कि रविवार, 24 मई को 33 केवीए लाइन पर आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किया गया। इसके चलते सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक सभी फीडरों की बिजली आपूर्ति बंद रखी गई, जिससे जल वितरण व्यवस्था भी प्रभावित हुई।

विलुप्त गिद्धों की खोज, 299 में से 11 ही दिखे

एसटीआर में विलुप्त हो गिद्धों की गिनती, दूरदूरबीन से खोजते वनकर्मी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व समेत मप्र में ग्रीष्मकालीन गिद्धों की गिनती चल रही है। तीन दिन तक चलने वाली गणना में दूसरे दिन शनिवार को 315 गिद्ध दिखाई दिए। जिसमें 299 भारतीय प्रजाति, 11 सफेद गिद्ध और 5 सफ़ेद पीठ वाले गिद्ध नजर आएं।

24 मई को गिद्ध गणना का तीसरा और अंतिम दिन रहेगा। जिसमें गिद्धों की फाइनल संख्या स्पष्ट होगी। ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना का कार्य रोज सुबह 6 से 9 बजे तक हो रहा है। गिद्धों की संख्या और उनकी स्थिति का आकलन करने के लिए गिद्ध गणना वर्ष 2024-25 पूरे प्रदेश में 22 मई से शुरू हुई है। जिसके चलते एसटीआर के 186 बीटों में 500 से अधिक, अधिकारी कर्मचारियों की अलग-अलग टीमें लगी हैं। अमला बैठे हुए गिद्धों और उनके आश्रय की गणना कर डेटा तैयार कर रहे है। एसटीआर फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने बताया एसटीआर के पचमढ़ी, मटकुली, पिपरिया, मढ़ई, बागरा, चूरना सहित सभी क्षेत्रों की बीटों में टीम पर्वतों की चोटियों पर बैठे हुए गिद्धों को दूरबीन से देखकर उनकी प्रजाति की पहचान की करती है। केवल बैठे हुए गिद्धों की गणना की जा रही है। इसके अलावा गिद्धों का घोसला किस तरह का है। उसमें बच्चे हैं या नहीं यह भी देखा जा रहा है। सहायक संचालक आशीष खोपरागड़े ने बताया 22 मई को 195 घोसलों में 228 वयस्क 18 अवयस्क कुल 246 गिद्ध नजर आएं। जिसमें भारतीय देसी गिद्ध 237,सफेद पीठ वाला गिद्ध 5 तथा सफेद गिद्ध 4 शामिल रहे। 23 मई को 285 वयस्क, 30 अवयस्क 315 गिद्ध मिले। जिसमें 299 भारतीय देशी गिद्ध, 5 सफेद पीठ गिद्ध और 11 सफेद गिद्ध पाएं गए।

साप्ताहिक एक्सप्रेस को मिला स्थायी नंबर 20164/20163

जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन अब नियमित, इटारसी-भोपाल को फायदा

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे ने यात्रियों को राहत देते हुए जबलपुर-बान्द्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन को अब नियमित नंबर से चलाने का निर्णय लिया है। लंबे समय से स्पेशल ट्रेन के रूप में संचालित हो रही यह गाड़ी अब 20164/20163 नंबर के साथ साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन के रूप में चलेगी। इस निर्णय से महाकौशल और मध्यप्रदेश के हजारों यात्रियों को मुंबई रूट पर स्थायी सुविधा मिल सकेगी।

रेल प्रशासन के अनुसार, गाड़ी संख्या 20164 जबलपुर-बान्द्रा टर्मिनस साप्ताहिक एक्सप्रेस 29 मई 2026 से हर शुक्रवार को जबलपुर से शाम 5 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन नरसिंहपुर 6:03 बजे, पिपरिया 7:03 बजे, इटारसी 8:30 बजे, नर्मदापुरम 9:03 बजे, भोपाल 10:30 बजे, संत हिरदाराम नगर 11:03 बजे, पहुंचकर अगले दिन उज्जैन पर मध्यरात्रि 2:10 बजे, रतलाम 3:50 बजे, वडोदरा जंक्शन 7:40 बजे, सूरत 10:05 बजे, वापी 11:37 बजे तथा बोरीवली पर 1:23 बजे ठहराव लेते हुए शनिवार को बान्द्रा टर्मिनस दोपहर 2:15 बजे पहुंचेगी।

इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 20163 बान्द्रा टर्मिनस-जबलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 30 मई से प्रत्येक शनिवार को बान्द्रा टर्मिनस से 4:30 बजे प्रस्थान कर बोरीवली पर 4:58 बजे, वापी पर 7:37 बजे, सूरत पर 8:05 बजे, वडोदरा जंक्शन 10:46 बजे, पहुंचकर अगले दिन रतलाम पर मध्य रात्रि 2:45 बजे, उज्जैन पर 5:10 बजे, संत हिरदाराम नगर 8:00 बजे, भोपाल 8:25 बजे, नर्मदापुरम 9:35 बजे, इटारसी पर 11:00 बजे, पिपरिया पर 12:13 बजे तथा नरसिंहपुर 1:18 बजे ठहराव लेते हुए रविवार को जबलपुर दोपहर 3:10 बजे पहुंचेगी।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन को नियमित नंबर मिलने से अब यात्रियों को रिजर्वेशन और यात्रा योजना बनाने में अधिक आसानी होगी।

खासकर इटारसी और भोपाल के यात्रियों को मुंबई के लिए एक और भरोसेमंद साप्ताहिक विकल्प उपलब्ध होगा।

गर्मी की छुट्टियों और त्योहारी सीजन में इस ट्रेन को लगातार अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा था, जिसके बाद इसे नियमित करने का फैसला लिया गया। ट्रेन में एसी फर्स्ट, एसी सेकेंड, एसी थर्ड, स्लीपर और सामान्य श्रेणी सहित कुल 24 कोच लगाए जाएंगे।

रेलवे ने यात्रियों से समय-सारणी और सीट उपलब्धता की जानकारी एनटीईएस ऐप और रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से की है।

प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना 22 से 24 मई तक

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना 2026-27 के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन गणना दिनांक 22 मई से 24 मई 2026 तक सूर्योदय से प्रातः 9:00 बजे तक प्रदेश के सभी 16 वृत्त, 09 टाईगर रिजर्व, वन विकास निगम के क्षेत्रों एवं अन्य संरक्षित क्षेत्रों में गिद्ध गणना का कार्य वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के अतिरिक्त स्वंय सेवकों के सहयोग से ऑनलाईन एप के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे आंकड़ों के संकलन में आसानी रहेगी। मध्य प्रदेश में प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना की शुरूआत वर्ष 2016 से की गई थी जिसमें 7,028 गिद्धों का आंकलन किया गया था। विगत वर्ष 2025 में शीतकालीन एवं ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना की गई थी। ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 22 मई से की जा रही है। गणना का कार्य विभिन्न वनमंडलों एवं टाईगर रिजर्व / राष्ट्रीय उद्यानों में 8748 स्थानों पर कार्य किया गया। गिद्ध गणना में 8810 गिद्ध पाये गये, जिसमें 7768 वयस्क एवं 1042 किशोर गिद्ध पाये गये। गिद्धों की गणना के लिये 'ऑनलाईन ऐप' तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से गिद्धों की गणना की जा रही है। 'ऐप' के माध्यम से गणना किये जाने पर आंकड़ों के संकलन एवं रिपोर्ट तैयार करने में आसानी होती है। ऐप के माध्यम से गणना किये जाने के लिये मास्टर ट्रेनर्स, अशासकीय संस्थाओं एवं अधिकारियों/कर्मचारियों को ऑनलाईन प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। गिद्धों की गणना के लिये गणनाकर्मी एवं स्वयंसेवक आदि प्रातः सूर्योदय के तत्काल बाद प्रथम चरण में चयनित गिद्धों के घोंसलों के समीप पहुंच जाते है और घोंसलों के आसपास बैठे गिद्धों एवं उनके नवजातों की गणना कर ऐप में उसकी जानकारी दर्ज करते है। गणना के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाता है कि केवल आवास/विश्राम स्थलों पर बैठे हुए गिद्धों को ही गणना में लिया जाए। उड़ते हुए गिद्धों को गणना में नहीं लिया जाता है। इस बर्ष वन विभाग के कर्मचारियों के साथ-साथ पूरे प्रदेश के विभिन्न स्थानों में पक्षी विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, छात्र, एवं स्थानीय नागरिक इस गणना में भाग ले रहे हैं। कंट्रोल रूम वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में बनाया जाकर गणना उपरांत डाटा संकलन का कार्य किया जा रहा है। गणना 23 एवं 24 मई 2026 को भी ऑनलाईन ऐप के माध्यम के किया जाना है। सम्पूर्ण गणना उपरांत ही आंकड़ों को अंतिम रूप दिया जायेगा।

नर्मदा कॉलोनी में जलभराव, गंदगी से लोग परेशान: चक्का जाम की चेतावनी, कहा- जल्द हो समस्याओं का समाधान

मीडिया ऑडीटर, बड़वाह (निप्र)। कस्बा पंचायत की नर्मदा कॉलोनी में पिछले पांच सालों से प्रशासनिक उपेक्षा के कारण जलभराव और गंदगी की गंभीर समस्या बनी हुई है। जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन पर कई शिकायतों के बावजूद समाधान न मिलने पर अब कॉलोनीवासियों ने उग्र आंदोलन और चक्का जाम की चेतावनी दी है।

कॉलोनी की ड्रेनेज व्यवस्था पूरी तरह ठप है, जिसके कारण बारिश के मौसम में यह क्षेत्र एक महीने तक जलमग्न रहता है। पड़ोसी वसुधा कॉलोनी का ड्रेनेज और एलआईसी के नए भवन निर्माण के कारण पांच अन्य कॉलोनियों का पानी भी यहीं आकर रुक जाता है। इसके अतिरिक्त, पास की मेकल कॉलोनी की गंदी नाली को भी नर्मदा कॉलोनी के ड्रेनेज से अवैध रूप से जोड़ दिया गया है। कॉलोनीवासी इस अवैध कनेक्शन को तुरंत बंद करने की मांग कर रहे हैं।

इस कॉलोनी को 'अवैध' बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है, जबकि यहां पंचायत की अनुमति से 80 मकान बने हैं और लगभग 300 परिवार निवास करते हैं। पिछले चार सालों से यहां कोई सफाईकर्मी नहीं आया है, जिसके कारण लोग निजी खर्च पर सफाई करवा रहे हैं।

जल निकासी के पाइप डलवाने के लिए कॉलोनीवासियों ने स्वयं 1.5 लाख रुपये जुटाए थे। तत्कालीन सीईओ डोंगरे ने यह राशि लौटाने का वादा किया था, लेकिन जनपद इंजीनियर मिश्रा द्वारा एस्टीमेट न बनाए जाने के कारण यह पैसा अभी तक अटका हुआ है।

कॉलोनीवासियों की प्रमुख मांगों में छात्रावास के पीछे 500 फीट लंबी और 15 फीट चौड़ी सीमेंटेड सड़क का निर्माण, मुख्य सड़क पर बाधक बनी ट्यूबवेल को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करना, रुके हुए पानी की निकासी के लिए तत्काल बड़ा और व्यवस्थित नाला बनाना, तथा जनता के 1.5 लाख रुपये तुरंत वापस करना शामिल है।

कॉलोनी के अध्यक्ष पुष्पेंद्र रावल, उपाध्यक्ष भाईराम चौहान, सचिव डॉ. रतनलाल बिरले, संरक्षक सुनील मोर्या और रंजन उपाध्याय सहित सभी नागरिकों ने प्रशासन से आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। उनका कहना है कि 22 सीएम हेल्पलाइन शिकायतें लंबित होने के बावजूद अधिकारी निष्क्रिय बने हुए हैं।

लगातार दूसरे साल प्लेऑफ से बाहर हुई चेन्नई सुपर किंग्स

जानिए हार के पांच बड़े कारणजानिए हार के पांच बड़े कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स का अभियान निराशाजनक रहा। पांच बार की चैंपियन टीम इस बार भी प्लेऑफ में जगह बनाने में असफल रही। चेन्नई ने 14 मुकाबलों में केवल 6 मैच जीते और लगातार दूसरे सीजन में अंतिम चार से बाहर हो गई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम कई समस्याओं से जूझती नजर आई, जिसका असर उसके प्रदर्शन पर साफ दिखाई दिया। खिलाड़ियों की चोट, अनुभवी खिलाड़ियों की कमी और युवा सितारों का खराब प्रदर्शन टीम के लिए सबसे बड़ी परेशानी बनकर सामने आया।

इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे बड़ा झटका खिलाड़ियों की लगातार चोटें रहीं। तेज गेंदबाज नाथन एलिस चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वहीं शानदार फॉर्म में चल रहे युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे का चोटिल होना भी टीम के लिए बड़ा नुकसान साबित हुआ। खलील अहमद ने शुरुआती पांच मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन वह भी चोटिल होकर बाहर हो गए। ऑलराउंडर जेमी ओवरटन बल्ले और गेंद दोनों से टीम के लिए अहम भूमिका निभा रहे थे, लेकिन सीजन के महत्वपूर्ण चरण में उनकी चोट ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं।

महेंद्र सिंह धोनी की गैरमौजूदगी भी चेन्नई के लिए भारी पड़ी। चोट के कारण धोनी इस पूरे सीजन में एक भी मुकाबला नहीं खेल सके। विकेट के पीछे से उनकी रणनीति और अनुभव की कमी साफ महसूस की गई। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ दबाव की परिस्थितियों में कई बार असहाय नजर आए और टीम मुश्किल समय में वापसी नहीं कर सकी। धोनी की मौजूदगी हमेशा चेन्नई की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती रही है, लेकिन इस बार टीम उस नेतृत्व से वंचित रही।

चेन्नई ने आईपीएल 2026 के लिए कई युवा खिलाड़ियों पर बड़ा दांव लगाया था, लेकिन वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। फ्रेंचाइजी ने प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर लगभग 14.2 करोड़ रुपये खर्च किए थे, लेकिन दोनों खिलाड़ी प्रभावित करने में नाकाम रहे। उर्विल पटेल भी पूरे सीजन में सिर्फ एक अर्धशतक ही लगा सके और निरंतर प्रदर्शन नहीं कर पाए।

कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस से टीम को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन दोनों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। ब्रेविस ने 11 मैचों में केवल 151 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट भी 127 के आसपास रहा। वह पूरे सीजन में एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके। वहीं ऋतुराज गायकवाड़ भी अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखा पाए और उनका स्ट्राइक रेट 123.44 का रहा, जो टी20 क्रिकेट के लिहाज से काफी कम माना गया। गेंदबाजी विभाग में अनुभव की कमी भी चेन्नई सुपर किंग्स को भारी पड़ी। खलील अहमद के बाहर होने के बाद तेज गेंदबाजी आक्रमण कमजोर पड़ गया। अंशुल कंबोज ने शुरुआती मैचों में प्रभावित किया, लेकिन महत्वपूर्ण मुकाबलों में वह काफी महंगे साबित हुए। स्पेंसर जॉनसन और गुरजपनीत सिंह भी निरंतर प्रदर्शन नहीं कर सके। स्पिन विभाग में नूर अहमद ने कुछ अच्छे प्रदर्शन किए, लेकिन वह पूरे सीजन में निरंतरता बनाए रखने में सफल नहीं रहे। यही कारण रहा कि चेन्नई सुपर किंग्स इस बार भी प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गई।

सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे जो रूट? इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। 15,921 रनों का यह ऐतिहासिक आंकड़ा लंबे समय तक अटूट माना जाता रहा, लेकिन अब इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट इस रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर रूट ने क्रिकेट जगत में इस बहस को तेज कर दिया है कि क्या वह सचिन का यह महान रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे।

जो रूट इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उनके नाम 13,943 रन दर्ज हैं और वह सचिन तेंदुलकर से सिर्फ 1,978 रन पीछे हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए माना जा रहा है कि अगर रूट फिट रहते हैं और अगले दो साल तक इसी निरंतरता के साथ खेलते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड तक पहुंच सकते हैं।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में जो रूट ने पहली बार इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि अब उनसे यह सवाल इतनी बार पूछा जाता है कि वह चाहकर भी इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। रूट ने सचिन तेंदुलकर की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने क्रिकेट में जो हासिल किया, वह असाधारण है। रूट ने कहा कि सचिन का करियर उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि सचिन ने उनके जन्म से पहले टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और जब रूट ने टेस्ट क्रिकेट में कदम रखा, तब भी सचिन खेल रहे थे। रूट के मुताबिक इतनी लंबी अवधि तक शीर्ष स्तर पर खेलना अपने आप में एक अद्भुत उपलब्धि है। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ टेस्ट क्रिकेट ही नहीं, बल्कि वनडे क्रिकेट में सचिन के 49 शतक भी उनकी महानता को साबित करते हैं।

हालांकि रूट ने साफ किया कि उनका ध्यान रिकॉर्ड्स से ज्यादा अपने खेल को लगातार बेहतर बनाने पर रहता है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा अपनी बल्लेबाजी में कुछ नया जोड़ने और तकनीकी रूप से खुद को और मजबूत बनाने की कोशिश करते हैं। रूट के अनुसार जब वह क्रीज पर होते हैं तो उनका पूरा फोकस सिर्फ मैच की परिस्थितियों के अनुसार खेलने पर रहता है, न कि आंकड़ों या रिकॉर्ड्स पर। इंग्लैंड के इस दिग्गज बल्लेबाज की निरंतरता और शानदार तकनीक ने उन्हें आधुनिक दौर के सबसे सफल टेस्ट बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है। अब क्रिकेट प्रेमियों की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या जो रूट आने वाले समय में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ पाएंगे या नहीं।

एरिक सिमंस बोले वापसी का फैसला खुद माही ही करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल सत्र में खेलने को लेकर बड़ा बयान दिया है। सिमंस ने साफ कहा कि धोनी खुद तय करेंगे कि वह कब और कैसे मैदान पर वापसी करेंगे। उन्होंने बताया कि पैर की चोट के कारण 44 वर्षीय धोनी इस सत्र में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए, लेकिन नेट अभ्यास के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया। जब सिमंस से पूछा गया कि क्या धोनी अगले सीजन में उपलब्ध रहेंगे, तो उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि यह फैसला पूरी तरह धोनी पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि चोट की वजह से धोनी को दौड़ने में काफी परेशानी हो रही थी, जिसके कारण वह मैच नहीं खेल सके। हालांकि, नेट्स में उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी ही नजर आ रही थी। सिमंस ने दोहराया कि धोनी हमेशा अपनी फिटनेस और टीम की जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई फैसला लेते हैं।

टेस्ट क्रिकेट के पांचों दिन बल्लेबाजी करने का अनोखा रिकार्ड

दुनिया के 13 महान बल्लेबाज जिसमें तीन भारतीय भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण प्रारूप माना जाता है। पांच दिनों तक चलने वाले इस मुकाबले में खिलाड़ी की तकनीक, धैर्य, फिटनेस और मानसिक मजबूती की असली परीक्षा होती है। क्रिकेट इतिहास में कई महान बल्लेबाज हुए, लेकिन टेस्ट मैच के सभी पांचों दिन बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरना बेहद दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है। अब तक दुनिया के सिर्फ 13 बल्लेबाज ही यह अनोखा कारनामा कर पाए हैं, जिनमें भारत के तीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। इस ऐतिहासिक सूची में सबसे पहला नाम भारत के मोटगनहल्ली जयसिम्हा का दर्ज है। उन्होंने 1960 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच के पांचों दिन बल्लेबाजी की थी। पहली पारी में वह नौवें नंबर पर उतरे और नाबाद लौटे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने शानदार 74 रन बनाए थे।

इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जियोफ बॉयकॉट ने 1977 की एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉटिंघम टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने पहली पारी में 107 रन और दूसरी पारी में नाबाद 80 रन बनाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के किम ह्यूज ने 1980 के लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ पांचों दिन बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 117 और दूसरी में 84 रन बनाए। इसी मैदान पर इंग्लैंड के एलन लैम्ब ने भी वेस्टइंडीज के खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाया। पहली पारी में कम स्कोर के बाद उन्होंने दूसरी पारी में शानदार 110 रन बनाकर इतिहास रच दिया। भारत के पूर्व ऑलराउंडर रवि शास्त्री इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने। 1984 में इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 111 रन बनाए और दूसरी पारी में नाबाद लौटे। बाद में वेस्टइंडीज के एड्रियन ग्रिफिथ ने 1999 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैमिल्टन टेस्ट में यह कारनामा किया। इंग्लैंड के एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने 2006 में मोहाली टेस्ट में भारत के खिलाफ दोनों पारियों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए पांचों दिन क्रीज पर उपस्थिति दर्ज कराई। दक्षिण अफ्रीका के अल्विरो पीटरसन ने 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 156 रन की मैराथन पारी खेलकर यह रिकॉर्ड बनाया। भारत के चेतेश्वर पुजारा इस सूची में शामिल होने वाले तीसरे भारतीय बने। 2017 में श्रीलंका के खिलाफ ईडन गार्डन्स टेस्ट में उन्होंने दोनों पारियों में उपयोगी रन बनाए और पांचों दिन बल्लेबाजी की। इंग्लैंड के रोरी बर्न्स ने 2019 एशेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की।

साल 2023 में वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रैथवेट और तेजनारायण चंद्रपॉल ने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक ही टेस्ट मैच में यह अनोखा रिकॉर्ड बनाया। ब्रैथवेट ने 182 रन, जबकि चंद्रपॉल ने दोहरा शतक जड़ा था। इस सूची में सबसे नया नाम ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा का है, जिन्होंने 2023 एशेज के पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 141 और 65 रन की पारियां खेलकर टेस्ट क्रिकेट के पांचों दिन बल्लेबाजी करने का गौरव हासिल किया।

राहुल द्रविड़ ने क्रिकेट के साथ परिवार को भी दी मजबूत पहचान

बेटे आगे बढ़ा रहे विरासत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्रिकेट जगत में 'दीवार' के नाम से जाना जाता है। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर जितना शानदार रहा, उतना ही प्रेरणादायक उनका कोचिंग सफर भी रहा है। संन्यास के बाद द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी को तैयार करने का जिम्मा संभाला और अंडर-19 टीम के कोच के रूप में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तराशा। उनकी कोचिंग में पृथ्वी शॉ की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंडर-19 विश्व कप जीता, जिसमें शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी शामिल थे। बाद में उन्होंने सीनियर टीम के मुख्य कोच के रूप में रोहित शर्मा के साथ मिलकर भारतीय टीम को नई सफलताएं दिलाईं। वर्ष 2024 में टी-20 विश्व कप जीत के साथ उनका कार्यकाल यादगार अंदाज में समाप्त हुआ।

11 जनवरी 1973 को इंदौर में जन्मे राहुल द्रविड़ मराठी ब्राह्मण परिवार से आते हैं। उनके पिता शरद द्रविड़ एक खाद्य कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थे, जबकि उनकी मां पुष्पा द्रविड़ इंजीनियरिंग कॉलेज में आर्किटेक्चर की प्रोफेसर थीं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का माहौल रहा, जिसका असर राहुल के व्यक्तित्व में भी साफ दिखाई देता है। उनके छोटे भाई विजय द्रविड़ ने भी शुरुआती दिनों में उनका पूरा साथ दिया। साल 2003 में राहुल द्रविड़ ने नागपुर की सर्जन डॉ. विजेता पेंढारकर से विवाह किया। दोनों की मुलाकात पारिवारिक संबंधों के जरिए हुई थी। शादी के बाद विजेता ने मेडिकल पेशे के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी संभालीं। राहुल कई बार कह चुके हैं कि उनकी सफलता में पत्नी का बड़ा योगदान रहा है। दंपति के दो बेटे हैं, समित द्रविड़ और अन्वय द्रविड़।

टॉप-2 पर था आरसीबी का फोकस, जीत नहीं बल्कि रनरेट बचाना था लक्ष्य : एंडी फ्लावर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबला भले ही गंवा दिया हो, लेकिन टीम अपने असली मकसद में सफल रही। आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने खुलासा किया कि टीम की प्राथमिकता सिर्फ मैच जीतना नहीं, बल्कि अंक तालिका में शीर्ष-2 स्थान सुनिश्चित करना था। इसी रणनीति के तहत बल्लेबाजों को अलग-अलग लक्ष्य दिए गए थे ताकि नेट रन रेट सुरक्षित रखा जा सके। 255 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की टीम 55 रन से हार गई, लेकिन टीम ने इतना स्कोर बना लिया कि उसका नेट रन रेट मजबूत बना रहा और वह शीर्ष-2 में अपनी जगह सुरक्षित करने में सफल रही। इस प्रदर्शन के दम पर आरसीबी को क्वालीफायर-1 का टिकट मिल गया, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना पड़ेगा।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एंडी फ्लावर ने बताया कि पहली पारी खत्म होने के बाद टीम के भीतर 255 रन के लक्ष्य का पीछा करने को लेकर चर्चा हुई थी, लेकिन साथ ही दूसरे संभावित समीकरणों पर भी विचार किया गया। उन्होंने कहा कि टीम के सामने दोहरी चुनौती थी एक तरफ मुकाबला जीतना और दूसरी ओर यह सुनिश्चित करना कि टीम लीग चरण में शीर्ष पर बनी रहे। फ्लावर ने कहा कि टीम ने अलग-अलग स्कोर को लेकर रणनीति बनाई थी।

उनके मुताबिक शीर्ष-2 में जगह पक्की करने के लिए लगभग 166 रन जरूरी थे, जबकि अंक तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखने के लिए 179 रन तक पहुंचना अहम था।

वहीं मैच जीतने के लिए पूरे 255 रन बनाने थे। उन्होंने बताया कि वेंकटेश अय्यर की आक्रामक बल्लेबाजी ने टीम में जोश भर दिया था और उसके बाद बल्लेबाजों को परिस्थिति के अनुसार फैसला लेने की छूट दी गई थी। उन्होंने यह भी माना कि दूसरी पारी में पिच काफी धीमी हो गई थी और गेंद बल्ले पर आसानी से नहीं आ रही थी।ऐसे हालात में बल्लेबाजी करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसके बावजूद टीम ने 200 से ज्यादा रन बनाए, जिसे उन्होंने सकारात्मक संकेत बताया।

अब आरसीबी 26 मई को धर्मशाला में होने वाले पहले क्वालीफायर में गुजरात टाइटन्स से भिड़ेगी। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद 27 मई को एलिमिनेटर मुकाबले में चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगी। क्वालीफायर-1 हारने वाली टीम को क्वालीफायर-2 में एलिमिनेटर विजेता से भिड़ना होगा।

सीएसके मैनेजमेंट पर भड़के कृष्णमाचारी श्रीकांत

बोले - धोनी को लेकर फैंस से झूठ बोला गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज और 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चेन्नई सुपर किंग्स प्रबंधन पर महेंद्र सिंह धोनी की फिटनेस को लेकर फैंस को गुमराह करने का गंभीर आरोप लगाया है।

श्रीकांत ने कहा कि पूरी आईपीएल 2026 सीजन के दौरान फ्रेंचाइजी, कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने लगातार ऐसे संकेत दिए कि धोनी जल्द मैदान पर वापसी करेंगे, लेकिन आखिर तक ऐसा नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर #एमएस धोनी स्कैम ट्रेंड होने के बाद यह मामला और गरमा गया। पूर्व आईपीएल खिलाड़ी अनिरुद्ध श्रीकांत ने भी अपने शो में फैंस की नाराजगी को उठाया, जिसके बाद कृष्णमाचारी श्रीकांत ने खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स ने बार-बार धोनी के अभ्यास के वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह फिट हैं और अगले मैच में खेल सकते हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर श्रीकांत ने कहा कि सीजन शुरू होने से पहले टीम की ओर से बताया गया कि धोनी को पैर में चोट है और वह जल्द वापसी कर सकते हैं। इसके बाद कोच स्टीफन फ्लेमिंग और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ लगातार यही कहते रहे कि धोनी अगले मुकाबले में उपलब्ध हो सकते हैं। मैच से पहले उनके ट्रेनिंग वीडियो दिखाए जाते रहे, जिससे फैंस को उम्मीद बंधती रही कि धोनी मैदान पर उतरेंगे। श्रीकांत ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि टीम प्रबंधन ने कभी स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया कि धोनी पूरे सीजन से बाहर हैं। कभी काफ इंजरी की बात कही गई, कभी फिटनेस में सुधार बताया गया और बाद में टीम संयोजन का हवाला दिया गया।

अंत में एक और चोट का जिक्र सामने आया, जबकि आखिरी मैच के दौरान धोनी रांची पहुंच गए थे। उन्होंने कहा कि अगर शुरुआत में ही साफ कर दिया जाता कि धोनी इस पूरे सीजन में नहीं खेलेंगे, तो फैंस मानसिक रूप से तैयार रहते। लेकिन मैच दर मैच लोगों को उम्मीद में रखा गया।

श्रीकांत के मुताबिक कप्तान रुतुराज गायकवाड़, कोच स्टीफन फ्लेमिंग और बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने लगातार भ्रम की स्थिति बनाए रखी।

रजत पाटीदार ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड

क्रिस गेल को पीछे छोड़ आईपीएल में रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने इंडियन प्रीमियर लीग में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने आईपीएल करियर के 100 छक्के पूरे किए और इस मामले में टी20 क्रिकेट के दिग्गज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। पाटीदार ने यह उपलब्धि सिर्फ 933 गेंदों में हासिल की, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रजत पाटीदार ने 56 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और एक लंबा छक्का लगाया। इसी छक्के के साथ उन्होंने आईपीएल में 100 सिक्स पूरे किए। इससे पहले क्रिस गेल ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 943 गेंदों का सामना किया था। पाटीदार ने उनसे 10 गेंद कम लेकर यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हालांकि आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने के मामले में पाटीदार अभी तीसरे स्थान पर हैं।

हीरापुर समाधान शिविर में उमड़ा जनसैलाब ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

40 किसानों को मिला 'वनाधिकार पत्र, स्वास्थ्य जांच से लेकर आवास योजना तक मिली कई सौगातें

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बीजापुर जिले के सुदूर उसूर विकासखंड स्थित हीरापुर में सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर ग्रामीणों के लिए उम्मीद और समाधान का बड़ा केंद्र बनकर सामने आया। शिविर में हीरापुर सहित फुतकेल, बासागुड़ा, गगनपल्ली, मल्लेपल्ली, लिंगागिरी, कोरसागुड़ा, चिपुरभट्टी, चिन्नागेल्लूर और पुसबाका पंचायतों से हजारों ग्रामीण उत्साहपूर्वक शामिल हुए। वर्षों से कब्जे वाली भूमि पर मालिकाना हक प्रदान करते हुए 40 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र वितरित किए गए। ग्रामीणों ने

शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के सामने रखीं। मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान किया गया तथा विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी दी गई।

24 विभागों ने लगाए स्टॉल: शिविर में 24 से अधिक विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया समझाई और लोगों को अधिक से अधिक योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों की भारी भागीदारी और योजनाओं के प्रति उत्साह ने यह स्पष्ट कर दिया कि शासन की योजनाएं अब गांव-गांव तक पहुंच रही हैं और लोग इनसे जुड़कर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस कर रहे हैं।

बस्तर मुन्ने अभियान के तहत जागरूकता: प्रशासन ने बस्तर मुन्ने कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों को आधार कार्ड, बैंक खाता, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज बनवाने के लिए जागरूक किया। अधिकारियों ने बताया कि इन दस्तावेजों के माध्यम से ही लोगों को शासन की योजनाओं का पूरा लाभ मिल सकेगा।

स्वास्थ्य जांच और बाल विवाह रोकने पर जोर: स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में निशुल्क स्वास्थ्य जांच, उपचार और दवा वितरण किया गया।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने नवा रायपुर में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने आज नवा रायपुर में संचालित महत्वपूर्ण विकास कार्यों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री ने रेलवे ओवर ब्रिज, प्रवासी पक्षियों के लिए नेस्टिंग आइलैंड, सेक्टर-10 की सड़के, कार्यरत महिलाओं हेतु हॉस्टल, पीपल गार्डन शहरी वन (पीपल कुंज), सीबीडी आईटी बिल्डिंग, कम्पोजिट आयोग भवन, एनटीपीसी कार्यालय एवं ऑडिटोरियम भवन, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, फेयर ग्राउंड स्टेशन, श्रमिक कैंप सहित विभिन्न अधोसंरचना परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर को आधुनिक, सुव्यवस्थित और विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है।

एर्राबोर के सुशासन शिविर में उमड़ा जनसैलाब, गाँव-गाँव तक पहुँचा विकास

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और सुकमा कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में संचालित सुशासन तिहार एवं बस्तर मुन्ने अभियान अब दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में भी बदलाव की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं। इसी कड़ी में कोंटा विकासखंड के एर्राबोर में आयोजित क्लस्टर स्तरीय सुशासन शिविर में 10 पंचायतों के सैकड़ों ग्रामीण उत्साहपूर्वक शामिल हुए। शिविर में 452 आवेदन प्राप्त हुए। राजस्व, स्वास्थ्य, पंचायत और अन्य विभागों के अधिकारियों ने मौके पर ही नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, जॉब कार्ड और आयुष्मान कार्ड जैसे दस्तावेजों का त्वरित निराकरण

किया। शिविर में प्रशासन ने ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करते हुए विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया। इससे ग्रामीणों में शासन के प्रति विश्वास और उत्साह देखने को मिला।

अन्नप्राशन और गोद भराई से बना उत्सव जैसा माहौल: शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों के लिए अन्नप्राशन और गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम आयोजित की गई। इस दौरान सुरक्षित मातृत्व और कुपोषण मुक्त समाज का संदेश दिया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष मंगम्मा सोयम और सदस्य कोरसा सन्नू ने आम ग्रामीणों के साथ लाइन में खड़े होकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया, जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति सकारात्मक संदेश गया।

रेत और गिट्टी से भरे 5 हाइवा जब्त खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महासमुंद जिले में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेत और गिट्टी से भरे 5 हाइवा वाहनों को जब्त किया है। तीन दिनों तक चले विशेष जांच अभियान के दौरान विभाग की टीम ने बिना वैध दस्तावेजों के खनिज परिवहन करते पाए जाने पर यह कार्रवाई की। जब्त वाहनों को थाना तुमगांव और महासमुंद में सुरक्षित रखा गया है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 21, 22 और 23 मई को खनिज विभाग ने अलग-अलग स्थानों पर जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान साधारण रेत से भरे 3 हाइवा और

गिट्टी से भरे 2 हाइवा वाहन पकड़े गए। जब्त सभी वाहनों के खिलाफ खान एवं खनिज अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन का कहना है कि अवैध उत्खनन, परिवहन या भंडारण का मामला पकड़ में आने पर संबंधितों के खिलाफ न केवल दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, बल्कि एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी।

सुशासन तिहार 2026 : जनसमस्याओं के त्वरित समाधान से ग्रामीणों में बढ़ा विश्वास

जनसमस्या निवारण शिविर में रथ बाई कंवर को मिला अंत्योदय राशन कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार शासन की जनहितकारी और संवेदनशील कार्यशैली का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आ रहा है। यह अभियान केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं है, बल्कि शासन और आमजन के बीच आत्मीय संवाद, विश्वास और जुड़ाव को सशक्त करने का माध्यम भी बन रहा है। गांव-गांव आयोजित हो रहे जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से प्रशासन लोगों की समस्याओं को सुनकर त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रहा है, जिससे ग्रामीणों में विश्वास और संतोष का वातावरण निर्मित हुआ है। इसी क्रम में

कोरबा जिले के जनपद पंचायत करतला अंतर्गत ग्राम देवलापाठ में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम कोथारी निवासी रथ बाई कंवर, पति स्वर्गीय दाऊराम, अपनी राशन कार्ड संबंधी मांग लेकर शिविर में पहुंचीं। उन्होंने अधिकारियों को आवेदन प्रस्तुत कर अपनी आवश्यकता से अवगत कराया, जिस पर प्रशासन द्वारा गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें अंत्योदय राशन कार्ड बनाकर प्रदान किया गया।अंत्योदय कार्ड प्राप्त होने पर रथ बाई कंवर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शिविर में आना उनके लिए सार्थक अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा गांव स्तर पर शिविर आयोजित किए जाने से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं सहजता से रखने का अवसर मिल रहा है तथा मौके पर ही समाधान भी सुनिश्चित हो रहा है। इससे ग्रामीणों में विश्वास और संतोष का वातावरण बना है।उन्होंने कहा कि शासन की यह पहल ग्रामीण अंचलों तक पहुंचकर लोगों की आवश्यकताओं और समस्याओं को समझने का सशक्त माध्यम बन रही है।

रुद्री में साकार होगा आस्था और आधुनिकता का अद्भुत संगम

20 करोड़ से बनेगा भव्य रुद्रेश्वर धाम कॉरिडोर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। धमतरी शहर से लगे रुद्री स्थित प्राचीन रुद्रेश्वर महादेव मंदिर अब केवल एक धार्मिक स्थल भर नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में यह प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक पर्यटन का नया केंद्र बनकर उभरेगा। लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित रुद्रेश्वर धाम कॉरिडोर परियोजना के माध्यम से मंदिर परिसर का समग्र विकास किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से तीन चरणों में विकसित करने की योजना तैयार की गई है। विशेष बात यह है कि पूरे विकास कार्य में मंदिर की मूल संरचना और उसकी आध्यात्मिक गरिमा को अक्षुण्ण रखा जाएगा। बिना किसी बड़े विध्वंस या संरचनात्मक क्षति के मंदिर परिसर को आधुनिक सुविधाओं और पारंपरिक भारतीय स्थापत्य शैली के समन्वय से नया स्वरूप दिया जाएगा। प्रस्तावित डिजाइन में शिखर, त्रिशूल, ओम् प्रतीक, तोरण द्वार, अलंकृत स्तंभ, नंदी प्रतिमा, दीप स्तंभ और जाली कार्य जैसे पारंपरिक तत्व शामिल किए गए हैं। प्राकृतिक सैंडस्टोन क्लैडिंग और पत्थर आधारित फिनिश मंदिर परिसर को भव्य, आकर्षक और कालातीत स्वरूप प्रदान करेंगे।

सौर सुजला योजना किसानों के लिए वरदान, ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में राज्य सरकार की बड़ी पहल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप प्रदेश में स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने, खेती की लागत कम करने और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में सौर सुजला योजना एक महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आई है। इस योजना से किसानों को न केवल सिंचाई के लिए निर्बाध पानी मिल रहा है, बल्कि बिजली बिल और अतिरिक्त खर्च से भी राहत मिल रही है। इसी कड़ी में राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मोखला के किसान डोमार साहू के लिए सौर सुजला योजना मददगार साबित हुई है। क्रेडा विभाग द्वारा उनके खेत में सोलर पंप की स्थापना की गई है, जिससे अब उनके खेत में सिंचाई के लिए पानी की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध हो गई है। किसान डोमार साहू ने बताया कि पहले सिंचाई सुविधा के अभाव में उन्हें खेती में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था और वे दो फसल लेने में सक्षम नहीं थे। सौर सुजला योजना के तहत सोलर पंप स्थापित होने के बाद उनकी यह समस्या दूर हो गई है।

जल जीवन मिशन के तहत 8555 योजनाओं का ग्राम पंचायतों द्वारा संचालन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव ने आज लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों तथा मैदानी अधिकारियों की बैठक लेकर जल जीवन मिशन के कार्यों, नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों की पेयजल योजनाओं एवं प्रदेश में ग्रीष्म काल में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की। राज्य के सभी जिलों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में शामिल हुए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव तथा जल जीवन मिशन के संचालक मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और प्रमुख अभियंता के.के. मरकाम भी बैठक में मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जल जीवन मिशन के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने आगामी

दो वर्षों के रोडमैप पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को मिशन के शेष कार्यों को गंभीरता, सक्रियता और तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर काम की गति और पूर्णता से ही केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा कार्यों के लिए राशि जारी की जाएगी। जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को और ज्यादा फोकस एवं बारीकी से करना है। उन्होंने कहा की वर्तमान समय में पेयजल आपूर्ति अधिकांशतः शासकीय व्यवस्था पर ही आश्रित है। जल आपूर्ति की अपर्याप्त व्यवस्था या इसमें किसी तरह की बाधा आने पर लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके लिए विभाग को दूरदृष्टि एवं पूर्वानुमान के साथ काम करने की जरूरत है। उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में हर गांव की पेयजल व्यवस्था की समय-समय पर जांच करने और किसी तरह की दिक्कत होने पर तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने जहां-जहां जल जीवन मिशन के काम पूरे हो गए हैं, वहां हर घर जल का सत्यापन कराकर योजनाओं के संचालन-संधारण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत को सौंपने को कहा। उन्होंने विभाग के सभी मुख्य अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं को कलेक्टरों से चर्चा कर प्रत्येक योजना की प्रगति पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यपालन अभियंताओं के कार्यों में सक्रिय सहयोग कर योजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री ने ग्रीष्म काल में प्रदेश की पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत करने और जलस्तर के नीचे चले जाने के कारण सूख चुके हैंडपंपों में राइजर पाइप बढ़ाकर जलापूर्ति दुरूस्त करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से बेटियों के भविष्य को मिला नया आधार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के साथ- साथ परिवारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सुशासन तिहार के अंतर्गत बलौदबाजार के करही बाजार में आयोजित समाधान शिविर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने योजना की हितग्राही महिलाओं से संवाद कर उनके अनुभव सुने। हितग्राही अन्नपूर्णा यादव ने बताया कि उनके पति गंगा प्रसाद मजदूरी कार्य करते हैं और परिवार की आय सीमित है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्राप्त 5000 रुपये की राशि को उन्होंने अपनी बालिका के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से सुकन्या योजना में जमा किया है। उन्होंने बताया कि उनकी दो बेटियां हैं और वे चाहती हैं कि भविष्य में उनकी शिक्षा एवं जरूरतों में किसी प्रकार की कठिनाई न आए। इसी प्रकार हितग्राही रेवती निषाद ने भी बताया कि उन्हें योजना के अंतर्गत 5000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। उनके पति पोषण निषाद मजदूरी का कार्य करते हैं। रेवती निषाद ने कहा कि उन्होंने भी अपनी दो बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए यह राशि सुकन्या योजना में जमा की है। दोनों महिलाओं ने कहा कि पहले आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता बनी रहती थी, लेकिन अब शासन की योजनाओं से उन्हें भरोसा और सहारा मिला है। योजना से प्राप्त सहायता ने बेटियों की शिक्षा और भविष्य की सुरक्षा के प्रति उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना तथा बेटियों के सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करना है। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री एवं सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये योजनाएं उनके जीवन में नई उम्मीद लेकर आई हैं।

आईटीआई कॉलेज में पॉक्सो एक्ट और साइबर क्राइम पर जागरूकता शिविर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। साइबर अपराधों और बच्चों के विरुद्ध लैंगिक अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आई.टी.आई. कॉलेज पर्री, सूरजपुर में पॉक्सो एक्ट एवं साइबर क्राइम विषय पर विशेष कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनीता वार्नर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय सूरजपुर के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को पॉक्सो एक्ट 2012, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 तथा वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। न्यायाधीश वारियाल ने कहा कि पॉक्सो एक्ट बच्चों को यौन शोषण, उत्पीड़न और अश्लील सामग्री से सुरक्षा प्रदान करने वाला सख्त कानून है। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चे कानून की दृष्टि में संरक्षित हैं और ऐसे मामलों में सहमति का कोई कानूनी महत्व नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दुरुपयोग, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और डिजिटल ठगी से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज अपराधियों द्वारा सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। साइबर अपराध की शिकायत के लिए उन्होंने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी देते हुए तत्काल शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग-130ए का किया निरीक्षण

निर्माण कार्यों में देरी पर जताई नाराजगी, संबंधित एजेंसियों को नोटिस जारी करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज कबीरधाम जिले में निर्माणाधीन पोड़ी-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-130ए का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य मार्ग के साथ बायपास मार्ग का भी अवलोकन किया तथा अधिकारियों और निर्माण एजेंसी से कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। सचिव बंसल ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं तय समय-सीमा के भीतर पूर्ण होना चाहिए। उन्होंने जिन स्थानों पर सुधार की आवश्यकता है, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बंसल ने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता नियंत्रण के सभी मापदंडों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा प्रत्येक चरण में तकनीकी जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और नियमित

मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड में पहुंचकर निरीक्षण करने व गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित करने को कहा। फील्ड निरीक्षण से पहले लोक निर्माण विभाग के सचिव ने कवर्धा सर्किट हाउस में लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा सेतु संभाग के अधिकारियों के साथ कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान कवर्धा जिले में चल रहे भवनों, सड़कों एवं पुलों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा कर सभी कार्यों को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिन परियोजनाओं में लंबे समय से प्रगति नहीं हुई है या कार्य प्रारंभ करने में अनावश्यक देरी हो रही है, उन मामलों में संबंधित एजेंसियों एवं जिम्मेदार पक्षों को नोटिस जारी करने को कहा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब और लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सचिव बंसल ने सड़क निर्माण या अन्य प्रस्तावित विकास कार्यों में संबंधित अधिकारियों को पहले स्थल का निरीक्षण कर तकनीकी जांच व अन्य सभी आवश्यक पहलुओं का परीक्षण करने के बाद आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा